विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़ से प्रकाशित

www.vijaymat.com | रायपुर, गुरुवार, 17 अप्रैल 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 102 | पेज- 08 | मूल्य- ₹2.00/-

ज्ञानामृत

दीपक सोने का हो या मिट्टी का मूल्य दीपक का नहीं उसकी लौ का होता है जिसे कोई अँधेरा नहीं बुझा सकता।

▶▶ विष्णु प्रभाकर

न्यूज इन शॉर्ट

भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के लिए आर गवई की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के लिए न्यायमूर्ति भूषण आर गवई के नाम की सिफारिश की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेज दी है। प्रस्ताव वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भेजा गया है। वे 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, वर्तमान सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की सिफारिश करते हैं। जस्टिस गवई वरिष्ठता के क्रम में सबसे आगे हैं, जिसके चलते उनके नाम की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले कानून मंत्रालय ने सीजेआई जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम देने की आधिकारिक अपील की थी। जस्टिस गवई के नाम पर अगर मुहर लगती है तो वे देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश होंगे।

महिला वही जो जन्म से जैविक रूप से महिला हो: ब्रिटिश कोर्ट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि समानता कानून के अनुसार महिला का मतलब केवल वही व्यक्ति है जो जन्म से जैविक रूप से महिला हो। न्यायमूर्ति पैट्रिक हॉज ने बताया कि पांचों जजों ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया है कि समानता कानून में महिला और लिंग शब्द का मतलब जैविक महिला से है। इस फैसले के अनुसार, कोई ट्रांसजेंडर व्यक्ति जिसे कानूनी रूप से महिला माना गया हो, उसे समानता कानून के तहत महिला नहीं माना जाएगा। यह मामला 2018 में स्कॉटिश संसद की तरफ से पास किए गए एक कानून से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि स्कॉटलैंड के सार्वजनिक निकायों की बोर्ड में 50' महिलाएं होनी चाहिए। इस कानून में ट्रांसजेंडर महिलाओं को भी महिलाओं की परिभाषा में शामिल किया गया था।

शेयर बाजार: सेंसेक्स 309 अंक चढ़ा निफ्टी 23450 के करीब

मुंबई, एजेंसी। बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। खुदरा मुद्रास्फीति के छह साल के निचले स्तर पर पहुंचने से ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद बढ़ी है, इसका बाजार के मूड पर सकारात्मक असर पड़ा। वैश्विक बाजार में कमजोर रुख को दरकिनार करते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 309.40 अंक या 0.40 प्रतिशत चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। कमजोर शुरुआत के बाद, सत्र के दौरान सूचकांक कई बार हरे और लाल निशान के बीच झूलता दिखा। सेंसेक्स 566.46 अंकों की तेजी के साथ 77,110.23 के उच्चतम और 76,543.77 के निम्नतम स्तर तक पहुंचा।

सरकार का फैसला: 35 दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर लगी रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) वाली 35 दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। बिना अनुमति बिक रहीं इन दवाओं का लोगों के सेहत पर गलत प्रभाव पड़ने के मामले सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया है। इसे लेकर शीर्ष औषधि नियामक संस्था (सीडीएससीओ) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पत्र लिखकर गैर-अनुमोदित 35 निश्चित खुराक संयोजन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इसमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं। सीडीएससीओ ने सभी औषधि नियंत्रकों से कहा है वह निश्चित खुराक संयोजन दवाओं को लाइसेंस देने की प्रक्रिया की समीक्षा करें।

आईटीआई: देश में 26 लाख सीटें, मगर दाखिला 12-14 लाख पर ही

5 वर्षों में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने खत्म की 814 आईटीआई की संबद्धता

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर में स्थित आईटीआई के लिए विभिन्न ट्रेड में 26 लाख सीटें हैं, मगर दाखिले की बात करें तो वह 12-14 लाख तक सिमट जाता है। बाकी सीटें खाली रह जाती है। विगत 5 वर्षों (2021-2025) में, प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), द्वारा 814 आईटीआई की संबद्धता समाप्त कर दी गई। जनवरी 2025 में, देश भर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में 4.49 लाख सीटों वाली 21069 इकाइयों, जो पिछले छह शैक्षणिक सत्रों (वर्ष 2018-19 से 2023-24) से रिक्त पड़ी थीं, की संबद्धता समाप्त कर दी गई। आईटीआई में, 168 राष्ट्रीय कौशल अर्हता कार्यढांचा (एनएसक्यूएफ) अनुकूल ट्रेडों में शिल्पकार प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रत्येक ट्रेड का एक विशिष्ट पाठ्यक्रम है। प्रशिक्षण की अवधि छह महीने से दो वर्ष तक होती है।

देश में हैं 11296 निजी आईटीआई

वर्तमान में देश में 14612 आईटीआई मौजूद हैं, जिनमें से 3316 राजकीय आईटीआई और 11296 निजी आईटीआई हैं। आईटीआई की स्थापना और दैनन्दिन का अभिशासन राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसकी संबद्धता के लिए मानदंड निर्धारित करने, प्रमाणन सहित परीक्षा आयोजित करने और पाठ्यक्रम तैयार जैसी नीतियां केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। जब कभी भी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से नए आईटीआई स्थापित करने का प्रस्ताव पास होता है, तो संबद्धता मानकों और मानदंडों के अनुसार इसकी जांच की जाती है, इस संबंध में निर्णय लिया जाता है। प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए, डीजीटी संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र निदेशालय की सिफारिशों के आधार पर निर्धारित संबद्धता मानदंडों का अनुपालन करने में विफल रहने वाले आईटीआई की संबद्धता समाप्त कर दी जाती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि केवल बुनियादी ढांचे, संकाय अर्हता, पाठ्यचर्चा कार्यान्वयन और प्रशिक्षण प्रदान करने से संबंधित अपेक्षित मानकों को बनाए रखने वाले आईटीआई ही काम करना जारी रखें। विगत पांच वर्षों (2021-2025) में, डीजीटी द्वारा 814 आईटीआई की संबद्धता समाप्त की गई है।

प्रशिक्षु को अर्ध कुशल श्रमिक के तौर पर तैयार करना

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी के मुताबिक, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), देश के युवाओं के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) का कार्यान्वयन करता है। आईटीआई, लंबे समय से घरेलू उद्योग के लिए विभिन्न ट्रेडों में लगातार कुशल जनशक्ति उपलब्ध कराते रहे हैं। पाठ्यक्रमों को ट्रेडों में बुनियादी कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है ताकि प्रशिक्षु को अर्ध कुशल श्रमिक के रूप में रोजगार के लिए तैयार किया जा सके।

मुख्यमंत्री साय ने दिए जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश, कहा-

पिछड़ेपन का नहीं, बस्तर बन रहा नए भारत की संभावनाओं का प्रवेश द्वार

विजय मत, बस्तर/रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को बस्तर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष प्रेरणा में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को हितग्राहीमूलक योजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हुए प्राथमिकता से निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर के विकास की यात्रा अब ठहराव नहीं, निरंतर गति की मांग करती है। बस्तर अब पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं, नए भारत की संभावनाओं का प्रवेश द्वार बन रहा है। यहां का हर गांव, हर परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े, यही हमारा लक्ष्य है। आयुष्मान, आधार, आवास और विद्युतीकरण जैसी योजनाएं केवल सरकारी परियोजनाएं नहीं, बल्कि आम जन की गरिमा और सुरक्षा की गारंटी हैं। ऐसे में हमारा प्रयास है कि अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और हर हितग्राही तक शासन की पहुंच सुनिश्चित हो।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा, मौसम और रोजगार पर भी दिए निर्देश

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा सत्र के प्रारंभ होने जा रहा है। उन्होंने जाति प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को समयबद्ध और सरल बनाने के निर्देश दिए ताकि बच्चों को कोई कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि गर्मी और बारिश के मौसम में बीमारियों की आशंका रहती है, ऐसे में सीएससी स्तर और स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाइयों की उपलब्धता और चिकित्सकीय व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखें।उन्होंने कहा कि बस्तर में उद्योग की स्थापना को लेकर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, महिलाओं और स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देते हुए उद्योग नीति में ऐसे प्रावधान किए गए हैं जिनसे स्थानीय लोगों को रोजगार और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि बस्तर में अपूर्ण योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के प्रयास किए जा रहे हैं और जगदलपुर एयरपोर्ट से नियमित उड़ानें प्रारंभ करने की दिशा में कार्य प्रगति पर है। राष्ट्रीय राजमार्गों सहित अन्य अधोसंरचना परियोजनाओं पर भी गति लाई जा रही है।

बस्तर के युवा हमारी सबसे बड़ी पूंजी... सीएम साय ने कहा कि बस्तर के युवा हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। हम उन्हें सिर्फ कौशल नहीं, स्वाभिमान देना चाहते हैं। अब हमारा मंत्र है- हर घर में उजाला, हर हाथ में रोजगार और हर दिल में विश्वास। यही बस्तर की नई पहचान होगी, और यहीं से छत्तीसगढ़ की विकास गाथा को नई ऊँचाई मिलेगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज की बैठक अत्यंत उपयोगी रही और इसमें बस्तर संभाग के विकास, शांति स्थापना और योजनाओं की प्रगति को लेकर गहन विचार-विमर्श हुआ। यह देखकर संतोष होता है कि बस्तर संभाग में शासन और प्रशासन की टीम युवा, ऊर्जावान और संकल्पबद्ध दिख रही है। जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों और समस्त अधिकारियों की उपस्थिति यह प्रमाणित करती है कि हम सब विकास के प्रति गंभीर हैं और बस्तर में शांति स्थापना के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बिना किसी बाधा के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ...

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात की आवश्यकता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के कारण यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम व्यक्तिगत लाभ आधारित योजनाओं को प्राथमिकता दें और प्रत्येक परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त करें। मोबाइल नेटवर्क की समस्याओं के कारण कई बार आधार, राशन, बैंकिंग जैसी सेवाएं बाधित होती हैं। संबंधित एजेंसियों से समन्वय कर इसका शीघ्र समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और संचार उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

विकास से जुड़ना चाहते हैं लोग

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों में जनता की जबरदस्त भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि लोग विकास से जुड़ना चाहते हैं और नक्सलवाद की विचारधारा से दूर होना चाहते हैं। हमें इसी विश्वास को और मजबूत करना है।

पूरे समर्पण से काम कर रही है सरकार

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निर्देश दिए कि नक्सलवाद के समूल उन्मूलन हेतु सरकार पूरी ताक़त और समर्पण के साथ काम कर रही है। केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में नक्सल उन्मूलन का कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है और यह लक्ष्य 31 मार्च 2026 तक पूर्ण करने का संकल्प है। हमारे सुरक्षा बलों का साहस, समर्पण और रणनीति के साथ काम करना इस दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा सायबर फ्रॉड

26 दिन डिजिटल अरेस्ट कर रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव से ठगे ढाई करोड़ रुपए

विजय मत, ब्यूरो ग्वालियर

सायबर ठगों के लिए ग्वालियर सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। शहर में अक्सर ऑनलाइन ठगी की घटनाएं सामने आ रही हैं। ज्यादातर मामले अब भी डिजिटल अरेस्ट के होते हैं। 26 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रहने के बाद पुलिस अधीक्षक के पास पहुचे ग्वालियर के रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदीप्तानंद ने भी ढाई करोड़ रुपये ठगे जाने की शिकायत की है। उनके साथ यह ठगी नरेश गोयल मनी लांड्रिंग केस में शामिल पाए जाने के नाम पर की गई।

ग्वालियर के रामकृष्ण मिशन आश्रम के सचिव स्वामी सुप्रदीप्तानंद ने पुलिस को बताया उन्हें 17 मार्च 2025 को दो अलग-अलग नंबर से कॉल किया गया। वीडियो कॉल में ठग नासिक पुलिस का अफ़सर बनकर बात कर रहा था। पीछे पुलिस का बोर्ड भी लगा हुआ था। आश्रम सचिव को ठगों ने नरेश गोयल मनी लांड्रिंग मामले में शामिल होना बताया। उन्हें डिजिटल अरेस्ट करने की बात कहते हुए उनके बैंक खाते सीज करने की धमकी दी गई। इस प्रकार 26 दिन में करीब ढाई करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए।

कई खातों में ट्रांसफर कराई मोटी रकम... फरियादी स्वामी सुप्रदीप्तानंद के मुताबिक् "ठगों द्वारा उन्हें बताया गया था कि उनके नाम से कैनरा बैंक में एक अकाउंट है, जिसके ज़रिए हवाला का 20 करोड़ का लेनदेन हुआ है। जिससे जुड़ी एक पीडीएफ भी उन्हें भेजी गई। सायबर ठगों ने उन्हें पूरी तरह डरा-धमकाकर झांसे में ले लिया। इसके बाद 26 दिन तक अलग अलग बैंक खातों में करीब 2 करोड़ 52 लाख रुपये जमा कराए गए। हालांकि उन्हें आश्वासन दिया गया था कि ये रकम उन्हें 15 अप्रैल तक रिटर्न कर दी जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तब उन्हें अपने साथ हुई ठगी का अहसास हुआ।

पुलिस का कहना- डिजिटल अरेस्ट नहीं, ऑनलाइन फ्रॉड... स्वामी सुप्रदीप्तानंद एसपी कार्यालय पहुंचे और शिकायत की। क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस का मानना है कि इस केस को डिजिटल अरेस्ट नहीं माना जा सकता, क्योंकि उन्हें हाउस अरेस्ट नहीं किया गया। इस बीच वह जान-पहचान वाले अन्य लोग मिलते रहे। एडिशनल एसपी निरंजन शर्मा ने इस मामले में कहा ये ऑनलाइन फ्रॉड है। पुलिस जल्द ही कार्रवाई कर ठगों को दबोच लेगी।"

धमतरी जल अभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित, खनन पर लगी रोक

विजय मत, ब्यूरो धमतरी। गर्मी के मौसम की शुरुआत हो गई है। इस बीच छत्तीसगढ़ का धमतरी जिला जल संकट से जूझ रहा है। जिले में औसत वर्षा की स्थिति बीते साल रही है। इस वजह से यहां का भूजल स्तर तेजी से गिरता जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बनाए गए विभिन्न पेयजल स्त्रोतों जैसे हैंडपंप, नल जल प्रदाय योजना, सिंगल फेज पावर पंप और सोलर योजनाओं से पानी की सप्लाई की जा रही है। इस सबके बीच कलेक्टर ने धमतरी को जल प्रभावित क्षेत्र घोषित किया है। जैसे जैसे गर्मी बढ़ेगी धमतरी में जल संकट की समस्या और गहरा सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने धमतरी जिले को जलाभाव क्षेत्र घोषित किया है। आगामी मानसून के आगमन और 30 जून 2025 तक धमतरी जिला जलाभावग्रस्त क्षेत्र रहेगा। इस फैसले में यह कहा गया है कि बिना कलेक्टर के परमिशन के जिले में जल स्रोत से सिंचाई नहीं की जाएगी। इसके अलावा इंडस्ट्रियल यूज और अन्य प्रयोजनों के लिए पानी नहीं लिया जा सकेगा।

नेशनल हेराल्ड केस में सियासत: भाजपा-कांग्रेस पर आरोप प्रत्यारोप

सभी याद रखें सोनिया-राहुल जमानत पर बाहर : रविशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल हेराल्ड मनी लॉड्रिंग मामले में भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस पर हमला बोला। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सभी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है। लेकिन उसे सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग करने और इसे नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। इस पूरी संपत्ति को परिवार के हाथों में पहुंचाने के लिए बहुत ही दिलचस्प तरीके से साजिश रची गई।ये संपत्तियां दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर एक संपत्ति, मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना में संपत्तियां हैं। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया लिमिटेड को एक धर्मार्थ संगठन माना जाता था, लेकिन अब तक यह पता नहीं चला है कि इसने क्या दान किया?

जो गलत नहीं, उसे गलत साबित किया जा रहा है : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल हेराल्ड मामले में कुछ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आरोप पत्र दाखिल करने के बाद देशभर की सियासत में गर्माहट है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी सातवें आसमान पर पहुंच चुकी है। इसी बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह मामला बेबुनियाद है और केवल राजनीतिक बदले की भावना से उठाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ भी नहीं है। भाजपा कानून का दुरुपयोग कर रही जो गलत है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि इस केस में कुछ भी गलत नहीं है। अखबार कुछ समय के लिए वित्तीय कारणों से बंद हो गया था। सोनिया गांधी ने उसे ऋण और दान के जरिए दोबारा शुरू करने की कोशिश की।

वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम फैसला आज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि जो संपत्तियां वक्फ घोषित हो चुकी हैं, चाहे वह परंपरा से वक्फ हो या बाकायदा दस्तावेज से घोषित वक्फ हो, उन्हें वापस सामान्य संपत्ति घोषित नहीं किया जाएगा। हालांकि केंद्र सरकार ने इस पर आपत्ति जताई और अदालत से आग्रह किया कि इस पर कोई आदेश देने से पहले उसे सुना जाए। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 17 अप्रैल दोपहर 2 बजे अगली सुनवाई तय की है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वक्फ संशोधन अधिनियम का हवाला दिया और कहा कि वह उस प्रावधान को चुनौती दे रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि केवल मुसलमान ही वक्फ बना सकते हैं। सिब्बल ने पूछा, राज्य कैसे तय कर सकता है कि मैं मुसलमान हूं या नहीं और इसलिए वक्फ बनाने के योग्य हूं या नहीं?

चीन के 125% टैरिफ के जवाब में ट्रंप ने लगाया 245% टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस की ओर से जारी एक दस्तावेज में कहा गया है कि चीन को अब अमेरिका पर अपनी जवाबी कार्रवाइयों के कारण 245 प्रतिशत तक टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। यह जानकारी तब सामने आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आयातित खनिजों और उससे बने उत्पादों पर अमेरिकी निर्भरता के कारण पैदा हुई जोखिमों की जांच के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। दस्तावेज में ट्रम्प के उस दावे का हवाला दिया गया है कि विदेशी महत्वपूर्ण खनिजों पर अत्यधिक निर्भरता और उनके खराब उत्पाद अमेरिकी रक्षा क्षमताओं, बुनियादी ढांचे के विकास और तकनीकी नवाचार को खतरे में डाल सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि ट्रम्प ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है और उन देशों पर पारस्परिक रूप से उच्च टैरिफ लगाए हैं जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा सबसे अधिक है। व्हाइट हाउस ने कहा कि 75 से अधिक देश पहले ही नए व्यापार समझौतों पर चर्चा करने के लिए संपर्क कर चुके हैं। इसे देखते हुए चीन को छोड़कर अन्य देशों पर लगने वाला जवाबी टैरिफ फिलहाल टाल दिया गया है।

नारायणपुर-कोंडागांव बॉर्डर पर मुठभेड़ में 2 नक्सली ढेर, सर्चिंग जारी

विजय मत, ब्यूरो जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में नारायणपुर और कोंडागांव जिले की सरहद पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों ने 2 नक्सलियों को ढेर कर दिया। मारे गए नक्सलियों में हलदर डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी मेंबर) पर 5 लाख और रामे एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) पर 5 लाख का इनाम था। शव के साथ एके-47 जैसे ऑटोमैटिक वेपंस भी बरामद हुए हैं। जवानों ने 2025 में अब तक 148 नक्सलियों को मार गिराया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि, कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सरहद पर स्थित किलम-बरगुम इलाके में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसी सूचना के आधार पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और बस्तर फाइटर्स की टीम को 15 अप्रैल को मौके पर भेजा गया। सर्चिंग के दौरान शाम को पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई।

आईजी ने की पुष्टि

बस्तर के आईजी सुंदरराज पी ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि यह नक्सलियों के खिलाफ एक और बड़ी सफलता है। फिलहाल, मौके पर सर्चिंग जारी है।

4 दिन पहले तीन नक्सली हुए थे ढेर

4 दिन पहले ही बताते चलें कि, दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर के भैरमगढ़ इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। जवानों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया था। तीनों के शव के साथ हथियार भी बरामद किया गया था।

महादेव बेटिंग एप: ईडी ने दिल्ली, मुंबई समेत कई आठ शहरों के 15 इलाकों में छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी

महादेव बेटिंग एप मामले को लेकर देश में प्रवर्तन निदेशालय की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। इस बीच ईडी बुधवार को मामले में दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़, अहमदाबाद, इंदौर, जयपुर, चेन्नई और संबलपुर में लगभग 15 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। इस बीच प्रवर्तन निदेशालय ने कर्नाटक के भोवी विकास निगम (केबीडीसी) में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दूसरी गिरफ्तारी की है। यह निगम राज्य सरकार का एक विभाग है, जो भोवी समुदाय के कल्याण के लिए है, जो कर्नाटक की अनुसूचित जाति सूची में शामिल है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि केबीडीसी की पूर्व प्रबंध निदेशक आर लीलावती को 12 अप्रैल को हिरासत में लिया गया था। उन्हें बंगलूरू में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और ईडी की हिरासत में भेज दिया गया। ईडी ने इस मामले में इस महीने की शुरुआत में तलाशी ली और अपनी पहली गिरफ्तारी केबीडीसी के पूर्व महाप्रबंधक बीके नागराजप्पा के रूप में की। वह भी वर्तमान में एजेंसी की हिरासत में हैं। ईडी ने दावा किया कि लीलावती ने नागराजप्पा, सुब्बाप्पा (तत्कालीन अधीक्षक) और अन्य जैसे अन्य संदिग्धों या आरोपियों के साथ मिलीभगत करके फर्जी संस्थाओं के नाम पर धोखाधड़ी से बैंक खाते बनाकर केबीडीसी से धन के हस्तांतरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

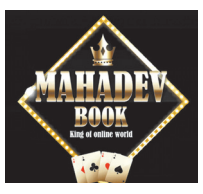

कार्यालय: ■ रायपुर ■ दुर्ग ■ बिलासपुर ■ राजनांदगांव ■ सरगुजा ■ धमतरी ■ बस्तर ■ जांजगीर-चांपा ■ भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी

न्यूज इन शॉर्ट

श्मशान घाट में तांत्रिक क्रिया करते 12 संदिग्ध हिरासत में

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के कोनी थाना क्षेत्र स्थित निरतु गांव से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ श्मशान घाट में तांत्रिक क्रिया करते हुए 12 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। सभी संदिग्ध छत्तीसगढ़ राज्य से बाहर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, यह लोग पीपल के पेड़ के नीचे नींबू, मिर्च, सिंदूर और सब्बल जैसी चीजों का इस्तेमाल कर तांत्रिक अनुष्ठान कर रहे थे। इस दौरान चार महिलाएं और आठ पुरुष शामिल थे। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, यह अनुष्ठान एक युवती के स्वास्थ्य सुधार के लिए किया जा रहा था। फिलहाल पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस अजीबोगरीब घटनाक्रम से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

भूख हड़ताल पर बैठे पंचायत सचिव की हार्ट अटैक से मौत

कोरबा। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी के तहत अपनी एकमात्र शासकीयकरण की मांग को लेकर 17 मार्च से हड़ताल पर बैठे पंचायत सचिवों की क्रमिक भूख हड़ताल प्रारंभ हो चुकी है। भीषण गर्मी में क्रमिक भूख हड़ताल के चौथे दिन कोरबा जिले में एक सचिव की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इस घटना ने सचिवों में आक्रोश के साथ शोक की लहर व्याप्त कर दी है वहीं परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। यह घटना कोरबा जिले के पाली ब्लॉक में घटित हुई। यहां जनपद पंचायत कार्यालय के निकट पंचायत सचिवों ने अपना पंडाल लगाया हुआ है और वह यहां पर मांग के संबंध में हड़ताल कर रहे हैं। इन्हीं में शामिल ग्राम उड़ता के निवासी व कुटेलामुड़ा पंचायत के सचिव राजकुमार कश्यप 54 वर्ष को दोपहर के वक्त एकाएक तबीयत खराब होने की शिकायत हुई। उन्हें जब पाली के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया तो चिकित्सक ने परीक्षण उपरांत हार्ट अटैक से मृत्यु होना घोषित कर दिया। यह खबर मिलते ही सचिवों में शोक की लहर दौड़ पड़ी वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। उन्होंने कल पंडाल में सचिव साथियों के साथ डॉ.अंबेडकर की जयंती कार्यक्रम में भी उपस्थिति दर्ज कराई थी। अब पंडाल में सन्नाटा पसर गया है।

कार में आग लगने से जिंदा जला ड्राइवर, शिनाख्ती में जुटी पुलिस

कोरबा। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद कार में आग लगने से गाड़ी जलकर खाक हो गई। वाहन चालक भी कार में जिंदा जल गया और उसकी मौत हो गई. यह घटना आधी रात को पसान थाना क्षेत्र के पेंड्रा कटघोरा मुख्य मार्ग पर स्थित कारीमाटी के पास घटी। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। पसान थाना प्रभारी एसके विश्कर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हादसे में कार पूरी तरह से जल गई है। नंबर प्लेट भी दिखाई नहीं दे रहा है। कार चालक भी जलकर खाक हो गया है, मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस युवक की शिनाख्ती में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई की जा रही है।

राज्य स्तरीय हिमालय वुड बैज कार्यशाला में शामिल हुए जिले के स्काउट्स एवं गाइड्स

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा राज्य स्तरीय हिमालय वुड बैज एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर बिलासपुर में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने के साथ ही उन्हें आत्मविश्वास, आत्मरक्षा, स्वावलंबन और देश व समाज सेवा के साथ स्काउटिंग अनुशासन से अपना कर्तव्य करना भी सिखाता है। राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ की स्काउटिंग गतिविधियां प्रशिक्षण, शिविर, हाइक, एडवेंचर कैम्प, राज्यपाल अवार्ड सहित विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से गतिशील है।

मोर दुआर-साय सरकार अभियान के तहत पात्र ग्रामीणों को आवास योजना का लाभ दिलाने दिए निर्देश

सुशासन तिहार के आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें : कलेक्टर

विजय मत,ब्यूरो महासमुंद।

कलेक्टर विनय लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में समय-सीमा बैठक लेकर जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में मोर दुआर साय सरकारआवास प्लस 2.0, सुशासन तिहार,धान उठाव, पीएम जनमन योजना सहित विभिन्न अभियान शामिल रहे। बैठक में कलेक्टर लंगेह ने 15 से 30 अप्रैल तक चलने वाले मोर दुआर-साय सरकार विशेष सर्वेक्षण पखवाड़े के सफल संचालन हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य आवास योजना से वंचित पात्र ग्रामीणों की पहचान कर उन्हें लाभान्वित करना है। लंगेह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुशासन तिहार के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रविष्टि संबंधित पोर्टल पर आज शाम अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग विशेष टीम बनाकर आवेदनों का गुणवत्ता पूर्ण और त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा इसका उद्देश्य जन शिकायतों का त्वरित समाधान और योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।कलेक्टर ने सभी सीईओ को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय पंचायत दिवस (24 अप्रैल) के अवसर पर जिले के पांचों विकासखंड की चयनित 60

ग्राम पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्रों एवं 42 वीएलई द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की सूची केंद्रों पर प्रदर्शित की जाए। साथ ही दी जाने वाली सेवाओं का मुनादी के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।कलेक्टर लंगेह ने भूमि जल संरक्षण और जल प्रबंधन को लेकर सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ क्षेत्रों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना सुनिश्चित करें और जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित करें। उन्होंने हर नागरिक से भी अपील की है कि वर्षा जल को संचित करे और अपने घर, स्कूल तथा कार्यस्थलों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाएं, तो आने वाले वर्षों में जल संकट से काफी हद तक बचा जा सकता है। बैठक में वनमंडलाधिकारी पंकज राजपूत, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, एसडीएम सरायपाली नम्रता चौबे, एसडीएम महासमुंद हरिशंकर पैकरा, एसडीएम बागबाहरा उमेश कुमार साहू, डिप्टी कलेक्टर सृष्टि चंद्राकर, आशीष कर्मा सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वर्चुअल रूप से शामिल रहे।

अवैध रेत उत्खनन की शिकायत पर जारी करें नोटिस

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि लोकसेवा गारंटी के अंतर्गत प्राप्त होने वाले आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करें। साथ ही अवैध रेत उत्खनन को लेकर जिन ग्राम पंचायतों से शिकायत प्राप्त हो रही है उन्हें नोटिस जारी करें। इसी के साथ उन्होंने खाद्य विभाग और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि धान उठाव की प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस योजना के लक्ष्यों को शीघ्रता से पूरा करें। विशेषकर जाति, आधार, आयुष्मान कार्ड आदि को शत-प्रतिशत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़कों पर आवारा मवेशियों के जमवाड़ा को सुरक्षित स्थानों पर रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने राजस्व पखवाड़ा, पोषण पखवाड़ा, अपार आईडी, व्हीकल माउंटेन डीजे, अनुकंपा नियुक्ति आदि की समीक्षा की। साथ ही पीएम पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जन चौपाल, समय सीमा पत्रकों की विस्तार से समीक्षा की

पोल शिफ्टिंग नहीं होने से ब्रिज निर्माण कार्य लटका

महासमुंद। महासमुंद से होकर गुजरे राष्ट्रीय राजमार्ग-353 में बेलसोंडा रेल्वे क्रासिंग पर ओवरब्रिज निर्माण की आधारशिला रखे जाने के बावजूद अब तक विद्युत पोलों को हटाने और उसकी शिफ्टिंग कार्य शुरू नहीं हो पाया है। जिससे ब्रिज निर्माण शुरूआत में विलंब हो रहा है जो निर्माण की समयावधि को प्रभावित करेगा। बता दें कि 58 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से बेलसोंडा रेल्वे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाना है। पेड़ों की शिफ्टिंग पहले हो जाने के बाद विद्युत पोलों की शिफ्टिंग अब नहीं हो पाई है। ज्यादातर पोल रेलवे ट्रैक के आस-पास ही हैं। आस-पास से विद्युत लाइनें भी गई हुई है। जानकारी के अनुसार विद्युत पोल हटाने के लिए डिमांड नोट भेजा जा चुका है। शीघ्र ही इसे हटाया जाएगा। ओवरब्रिज निर्माण में एक से डेढ़ साल लग सकता है।

बेलसोंडा के इंडोर स्टेडियम के पास से ओवरब्रिज के लिए रास्ता तैयार किया जा चुका है।

पीआईसी की प्रथम बैठक में विभिन्न एजेंडों पर चर्चा

नपा में टैक्स जमा करने ऑन-लाइन पोर्टल शीघ्र होगी शुरू

विजय मत,ब्यूरो महासमुंद।

नगर पालिका महासमुंद में प्रेसिडेंट इन काउंसिल (पीआईसी) की पहली बैठक नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में नगर विकास के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में शहर की प्रमुख आवश्यकताओं को आगामी बजट में शामिल करने पर सहमति बनी।

नपाध्यक्ष श्री साहू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नगर विकास का संकल्प सभी पीआईसी मेंबरों ने लिया।

बैठक के प्रमुख एजेंडों में नगर पालिका परिषद के लिए ऑनलाइन टैक्स जमा करने नागरिकों की सुविधा हेतु पोर्टल शुरू करने, भवन निर्माण अनुमति 15 दिन के अंतर्गत जारी करने, नहर लिंक रोड निर्माण, जल

संकट निवारण हेतु सामग्री क्रय करने, अमृत मिशन 2.ड नवीन फिल्टर प्लांट एवं इंटकवेल निर्माण कार्य करने, अटल चौक /अटल परिसर निर्माण की स्वीकृति, विभिन्न उद्यानों का सौंदर्यीकरण, नगर पालिका नवीन भवन निर्माण के लिए पूराना एसडीएम बंगला की भूमि स्वकृति प्रदान करने, अध्यक्ष, पार्षद निधि से मरम्मत के लिए वार्षिक टेंडर सहित अनेक निर्णय लिए गए। प्रेसिडेंट इन काउंसिल की प्रथम बैठक में प्रमुख रूप से नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी, सभापति सूरज नायक, जयकुमार देवांगन, गुलशन कुमार साहू, जितेंद्र ध्रुव, श्रीमती ईश्वरी भोई, श्रीमती ज्योति रिंकू चंद्राकर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित समस्त विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

शहीद जवानों और निर्दोष ग्रामीणों की भाजपाइयों ने दी श्रद्धांजलि

साल 2006 में बीजापुर जिले में किया था हमला

विजय मत,ब्यूरो जगदलपुर।

भाजपाइयों ने बुधवार को शहीद स्मारक में २००६ में आवापल्ली और मुरकीनार में हुए हमले में शहीद जवानों और उसके दो वर्ष बाद पामेड़ में ६ निर्दोष ग्रामीणों की हत्या किए जाने पर जवानों और ग्रामीणों को श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

इस दौरान जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय, श्रीनिवास राव मद्दी ,संतोष बाफना ,श्रीनिवास मिश्रा,योगेंद्र पांडे ,रजनीश पानीग्राही, खेमसिंह देवगन,नगर

अध्यक्ष प्रकाश झा, आर्येंद्र सिंह आर्य,संग्राम सिंह राणा, मनोहरदत्त तिवारी,शशिनाथ पाठक,अभय दीक्षित,योगेश ठाकुर,राणा घोष,निर्मल पानीग्राही आदि मौजूद थे।

तेज रफ्तार कार गड्ढे में गिरी, आग लगने से चालक की जिंदा जलकर मौत

पेंड्रा-कटघोरा मुख्य मार्ग पर होगा

विजय मत,ब्यूरो कोरबा।

जिले में बीती रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। पसान थाना क्षेत्र के पेंड्रा-कटघोरा मुख्य रोड पर कारीमाटी के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के तुरंत बाद कार में भीषण आग लग गई, जिससे वाहन जलकर खाक हो गया। इस घटना में कार चालक की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई।यह हादसा देर रात करीब 1 बजे हुआ। रास्ते से गुजर रहे राहगीरों ने कार में लगी आग को देखा और तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पसान थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार पूरी तरह

जल चुकी थी।पुलिस ने शव को गड्ढे से निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और चालक का नियंत्रण खो देना हादसे का कारण बताया जा रहा है। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नसबंदी के बाद भी गर्भवती हुई महिला, अस्पताल प्रबंधन ने आदिवासी मजदूर से मांगे 15 हजार

रायगढ़ जिले का मामला, आयुष्मान भारत योजना की सार्थकता पर बड़ा सवाल

विजय मत,ब्यूरो रायगढ़।

ज़िले में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था और आयुष्मान भारत योजना की पारदर्शिता पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। एक आदिवासी मजदूर, जिसने अपने परिवार के बेहतर भविष्य के लिए पत्नी की नशबंदी सरकारी योजना के तहत करवाई थी। आज खुद को ठगा हुआ और लुटा-पिटा महसूस कर रहा है।यह पूरा मामला गंगा स्मार्ट हॉस्पिटल, माझापारा, रायगढ़ का है, जहाँ 9 फरवरी 2023 को महिला का नसबंदी ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन आयुष्मान कार्ड से हुआ और

अस्पताल ने छुट्टी दे दी। कुछ महीनों बाद जब महिला का मासिक चक्र बंद हुआ तो प्रेगनेंसी टेस्ट कराया गया और वह पॉज़िटिव निकला। इसके बाद 13 अप्रैल 2025 को जब परिवार दोबारा अस्पताल पहुँचा, तो डॉक्टरों ने सोनोग्राफी की, फिर गर्भपात कर दोबारा नसबंदी की। लेकिन, इस बार कहा गया कि - 15 हजार रुपये देने होंगे।

ऐसे में पीड़ित परिवार का सवाल है कि, क्यों? क्या पहले का ऑपरेशन झूठा था? या लापरवाही से किया गया? परिवार ने आयुष्मान योजना में फजीर्वाड़ा का भी संदेह जताया है। आदिवासी मजदूर ने यह सवाल सीधा रायगढ़ सीटी कोतवाली, छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल, स्वास्थ्य मंत्री और पुलिस अधीक्षक से पूछे हैं। उसने साफ कहा, ह्लमैं रोज कमाने-खाने वाला मजदूर हूं। आयुष्मान कार्ड से ऑपरेशन हुआ, फिर पैसे क्यों माँगे? क्या मेरे कार्ड का गलत इस्तेमाल हुआ?ह्व

सवाल तो उठते हैं :

-क्या, नसबंदी जैसे संवेदनशील गंभीर ऑपरेशन में भी लापरवाही सामान्य बात हो गई है?

-क्या, अस्पताल मनमाने तरीके से गरीबों से पैसे वसूल रहे हैं?

-आयुष्मान कार्ड का क्लेम किसने किया कहाँ से पैसा निकाला गया?

कोरबा में महिला थाना प्रभारी और प्रधान आरक्षक निलंबित

गाड़ी चेकिंग और शराब जब्ती के नाम पर अवैध वसूली कर रहे थे, एसपी ने की कार्रवाई

विजय मत,ब्यूरो कोरबा।

जिले में अवैध वसूली के मामले में कार्रवाई हुई है। बांगो थाना प्रभारी निरीक्षक उषा सोंधिया और प्रधान आरक्षक जितेंद्र जायसवाल को निलंबित कर दिया गया है।जनप्रतिनिधियों की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि महिला थाना प्रभारी वाहन चेकिंग और शराब जब्ती के नाम पर अवैध वसूली कर रहे थे। साथ ही जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया जा रहा था।पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच साइबर सेल से कराई। जांच में पाया गया कि निरीक्षक उषा सोंधिया और प्रधान आरक्षक जितेंद्र जायसवाल ने सचिन कुमार मिश्रा से अनुचित तरीके से 10,500 रुपए वसूले थे।

अवैध वसूली के आरोप में हुए सस्पेंड

विभागीय नियमों की जानकारी होने के बावजूद अवैध वसूली करने और कर्तव्यों का पालन न करने के कारण दोनों को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय रक्षित केंद्र, कोरबा रहेगा। इस दौरान उन्हें नियमानुसार अनुषांगिक भत्ते मिलेंगे।

सड़क हादसे में घायल की मौत,चालक के खिलाफ जुर्म

महासमुंद। करीब 7 माह पहले बच्चे को केन्द्रीय विद्यालय महासमुंद छोड़ने जा रहे एक व्यक्ति की सड़क हादसे के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में आरोपी चालक के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है।

खास-खबर | मुख्यमंत्री द्वारा घोषित विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों की ली समीक्षा बैठक

विजय मत,ब्यूरो जशपुरनगर।

कलेक्टररोहित व्यास ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों की समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रगतिशील कार्यों की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नगरीय निकायों के कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में दुकानों अथवा बाजारों में निर्धारित सीमा से बाहर शेड लगाकर अथवा विक्रय सामग्री रखकर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही अतिशीघ्र शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि विक्रेताओं द्वारा

अक्सर मार्केट प्लेस या बाजारों में निर्धारित सीमा के बाहर शेड निर्माण या विक्रय हेतु समान लगा दिया जाता है, इससे जाम की स्थिति निर्मित होती है। इस वजह से आवागमन और पार्किंग की भी समस्या उत्पन्न होती है। इससे दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। इस समस्या के निदान हेतु अतिक्रमित क्षेत्र को हटाने की कार्यवाही जल्द ही प्रारंभ की जाएगी।कलेक्टर ने बैठक में मौजूद लोक निर्माण विभाग, गृह निर्माण मंडल, जल संसाधन विभाग, सीजीएमएससी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सेतु निर्माण विभाग एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों से मुख्यमंत्री द्वारा जिले के विकास हेतु घोषित किए गए कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने 2025-26 के बजट में स्वीकृत कार्यों को गूगल सीट में इंट्री करने के निर्देश भी दिए।

नगरीय निकायों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने संपति कर, समेकित कर, जलकर, दुकानों का किराया, विज्ञापन व होर्डिंग से होने वाली आय, पार्किंग और प्रदर्शनी कर, यूजर चार्जेस आदि की जानकारी ली और बकाया कर वसूलने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

न्यूज इन शॉर्ट

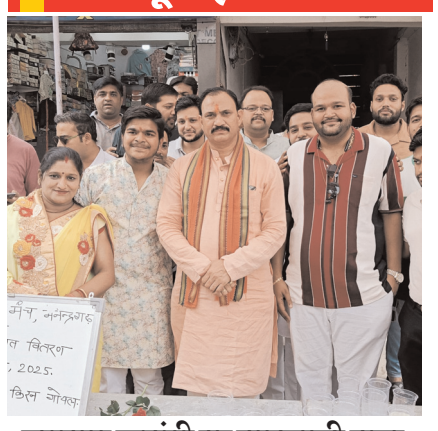

हनुमान जयंती पर मारवाड़ी युवा मंच ने किया शरबत वितरण , स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया शुभारंभ

रायपुर। संकटमोचन हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर, मारवाड़ी युवा मंच द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। मंच ने जरूरतमंदों तक शीतल सरबत पहुंचाने का सेवा कार्य प्रारंभ किया, जो कि वास्तव में एक पुण्य कार्य है।

इस शुभ कार्य का शुभारंभ करने के लिए हमारे क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी स्वयं उपस्थित रहे। यह मारवाड़ी युवा मंच के लिए एक गौरव का क्षण था कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति ने उनके इस सेवाभाव को अपना समर्थन दिया। मंत्री जायसवाल ने न केवल इस सरबत वितरण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया, बल्कि उन्होंने उदारता दिखाते हुए ?11,000 की सहयोग राशि भी प्रदान की। इसके साथ ही, उन्होंने सभी उपस्थित साथियों को हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक बधाई दी, जिससे वातावरण में और भी उत्साह और भक्ति का संचार हुआ। यह घटना न केवल मारवाड़ी युवा मंच के सेवा भाव को दशार्ती है, बल्कि श्री श्याम बिहारी जायसवाल जी की सामाजिक जागरूकता और धार्मिक निष्ठा का भी प्रमाण है। हनुमान जन्मोत्सव के इस मंगलमय अवसर पर सेवा और शुभकामनाओं का यह सुंदर संगम निश्चित रूप से सभी के लिए प्रेरणादायक रहा होगा।

गुनरस पिया फाउंडेशन का शास्त्रीय गायन कार्यक्रम 18 को

रायपुर। पंडित गुणवंत माधवलाल व्यास स्मृति संस्थान की इकाई गुनरस पिया फाउंडेशन के तत्वावधान में महाराष्ट्र मंडल रायपुर के सहयोग से 18 अप्रैल को प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका डॉ. साधना शिलेदार (नागपुर) के शास्त्रीय गायन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।महाराष्ट्र मंडल छत्रपति शिवाजी महाराज सभागृह में यह कार्यक्रम शाम 6 बजे से प्रारंभहोगा जिसमें डॉ. शिलेदार शास्त्रीय गायन के अलावा नाट्य संगीत, भक्ति संगीत और उप-शास्त्रीय संगीत की विभिन्न शैलियों में अपना गायन प्रस्तुत करेंगी। उनके साथ संवादिनी पर स्थानीय कमलादेवी संगीत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. एम. श्रीराम मूर्ति व तबले पर अंचल के युवा वादक बी. शरद संगत करेंगे। संस्था के संयोजक दीपक गुणवंत व्यास ने बताया, संस्था द्वारा रायपुर में शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार के लिए विगत 13 वर्षों से लगातार प्रयास किया जा रहा है।

जमानत पर रिहा हुई यूक्रेन युवती, देश से बाहर जाने की इजाजत नही

रायपुर। वीआईपी रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत और दो अन्य घायल मामले में गिरफ्तार यूक्रेन की युवती को बुधवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया, लेकिन उसे देश से बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी। युवती का पासपोर्ट अब भी पुलिस के पास जब्त है।इस मामले में युवती के वकील का कहना है कि उसे कार ड्राइविंग भी नहीं आती, इसके बावजूद उसे एक्सीडेंट केस में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया।

फिलहाल पुलिस के पास ऐसे कोई पुख्ता सबूत नहीं है, जिससे साबित हो कि गाड़ी युवती चला रही थीं। वह को-पैसेंजर थी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य औद्योगिक क्रांति की ओर अग्रसर

छत्तीसगढ़ बन रहा निवेश का नया हब

- वर्ष 2025 में 218 परियोजनाओं में 1.63 लाख करोड़ का निवेश
- सर्वाधिक निवेश वाले टॉप टेन राज्यों में शामिल है छत्तीसगढ़
- राज्य में अब तक 4.4 लाख करोड़ रूपए का हुआ है औद्योगिक निवेश

विजय मत, रायपुर।

छत्तीसगढ़ ने वित्तीय वर्ष 2025 में औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रोजेक्ट टूडे सर्वे द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में 218 नई परियोजनाओं में 1,63,749 करोड़ रूपए का निवेश आया है, जो देश के कुल निवेश का 3.71 प्रतिशत है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को, देश के टॉप टेन निवेश वाले राज्यों में शामिल करती है। इस सफलता के पीछे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 का महत्वपूर्ण योगदान है। यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में हुए निवेश को मिलाकर राज्य में अब तक 4.4 लाख करोड़ रूपए का औद्योगिक निवेश हुआ है।एक नवंबर 2024 से लागू नई औद्योगिक

नीति 2024-30 ने छत्तीसगढ़ को निवेशकों के लिए एक आकर्षक राज्य बना दिया है। इस नीति में न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन के सूत्र को अपनाया गया है, जिसके तहत सिंगल विंडो सिस्टम 2.0, ऑनलाइन आवेदन, और त्वरित प्रोसेसिंग जैसी सुविधाएं शुरू की गई हैं।

नीति में फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। उद्योगों को 30-50 प्रतिशत सब्सिडी, 5 से 12 साल तक कर छूट, और ब्याज अनुदान जैसे प्रावधानों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। नीति में 1000 से अधिक रोजगार देने वाली इकाइयों के लिए बी-स्पोक पॉलिसी और प्रति व्यक्ति 15,000 तक प्रशिक्षण अनुदान जैसे प्रावधान भी शामिल हैं, जिसका लक्ष्य अगले 5 वर्षों में 5 लाख नए रोजगार सृजित करना है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर निवेश को आकर्षित करने के लिए देश के प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई, और बेंगलुरु में इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट का आयोजन किया गया। इन समिट्स में देश-विदेश के प्रमुख उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप 4.4 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुंबई में आयोजित समिट में 6000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव और अमेरिका व रूस के कॉन्सल जनरल से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सहमति मिली। दिल्ली में 15,184 करोड़ और बेंगलुरु में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की सहमति ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता को रेखांकित किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने उद्योगपतियों को आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ सरकार पारदर्शी और निवेशक अनुकूल नीतियों के साथ हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले एक साल में 300 से अधिक सुधार लागू किए, जिसने कागजी प्रक्रियाओं को कम कर कारोबारी माहौल को पारदर्शी और तेज बनाया। सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के जरिए सभी स्वीकृतियां और लाइसेंस आसानी से उपलब्ध हैं, और सब्सिडी जारी करने की प्रक्रिया को 7 दिनों के भीतर सीमित किया गया है। इन सुधारों ने छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े उद्योगपतियों तक के लिए छत्तीसगढ़ को एक पसंदीदा गंतव्य बनाया है।छत्तीसगढ़ ने पहली बार सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, और एआई आधारित उद्योगों के लिए निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। नवा रायपुर में हाल ही में राज्य के पहले सेमीकंडक्टर प्लांट का भूमिपूजन हुआ, जो तकनीकी नवाचार की दिशा में एक बड़ा कदम है। नया रायपुर को बेंगलुरु और हैदराबाद की तर्ज पर आईटी हब के रूप में विकसित करने की योजना है, जिसमें नैसकॉम के साथ समझौता एक महत्वपूर्ण कदम है।मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति न केवल उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देती है, बल्कि रोजगार सृजन और आर्थिक समृद्धि पर भी जोर देती है। हमारा लक्ष्य अमृतकाल-छत्तीसगढ़ विजन 2047 नवा अंजोर के तहत विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना है। इन निवेशों से न केवल आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी, बल्कि हजारों युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे।

अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन मिक्सड डबल्स में छत्तीसगढ़ का परचम लहराया

सूरज सिंह परिहार आईपीएस और आकर्षि कश्यप डीएसपी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया,रजत पदक भी छग के नाम रहा

विजय मत,रायपुर।

अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस टूर्नामेंट की मिक्सड डबल्स स्पर्धा में छत्तीसगढ़ का परचम लहराया है। इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ ने पहली बार गोल्ड मेडल जीता है।

स्पर्धा का रजत पदक भी छत्तीसगढ़ के नाम रहा। केरल के क्षेत्रीय खेल केन्द्र राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम कदवंथरा, एनार्कुलम में 11 से 15 अप्रैल तक आयोजित अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन और टेबल टेनिस टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ ने 43 टीमों के बीच पदक तालिका में तीसरे स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन और टेबल टेनिस में छत्तीसगढ़ ने कुल 11 पदक जीते। केरल

के कोचीन में आज 5 दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ।

इससे पहले चंडीगढ़ में छत्तीसगढ़ ने 5 पदक जीते गए थे।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन और टेबल टेनिस टूर्नामेंट में इस शानदार उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस और पदक विजेताओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों की यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है।

छत्तीसगढ़ में 4 नए स्मार्ट औद्योगिक पार्क स्थापित होंगेः मुख्यमंत्री साय ने की घोषणा

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने किया कार्यभार ग्रहण

विजय मत, रायपुर।

छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलेपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने आज तेलीबांधा स्थित उद्योग भवन में अपना कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उन्हें अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में सीएसआईडीसी प्रदेश में औद्योगिक वातावरण के निर्माण में बेहतर कार्य करेगा। श्री राजीव अग्रवाल अनेक पदों पर किये हैं। उनके अनुभवों से उद्योग जगत को एक नई ऊंचाई मिलेगी। राज्य में

नई औद्योगिक नीति से प्रदेश का विकास होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्तमान में 4.50 लाख करोड़ रूपए का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। राज्य में खनिज, बिजली और पानी की पर्याप्त उपलब्धता से उद्योगों को फलने-फूलने का अवसर मिलेगा। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में सेक्टर आधारित उद्योगों को एक ही परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजनांदगांव जिला के ग्राम पटेवा में 322 एकड़ में इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना के लिए 350 करोड़ रूपए, राजनांदगांव जिला के ग्राम बिजेतला में 50 एकड़ में स्पेस मैन्यूफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना के लिए 25 करोड़ रूपए, नवा रायपुर के 20 एकड़ में रेडिमेट गारमेंट पार्क के लिए 30 करोड़ रूपए तथा नवा रायपुर में ही 30 एकड़ में फर्नीचर क्लस्टर की स्थापना के लिए 40 करोड़ रूपए की घोषणा की।

महिला आयोग ने हवलदार और पत्नी के बीच कराई सुलह

विजय मत, रायपुर।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्यगण श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती सरला कोसरिया, श्रीमती ओजस्वी मण्डावी ने आज छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के कार्यालय रायपुर में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की। आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में प्रदेश स्तर पर आज 308 वी. एवं रायपुर जिले में 150 वी. जनसुनवाई की गई। आज की सुनवाई के दौरान एक प्रकरण में वृध्द महिला ने बताया कि उसके खुद के मकान से ही अनावेदक बहू, पुत्र व पति ने मिलकर उसे निकाल दिया है, जो कि आवेदिका को उसके माता- पिता से मिला था। वर्तमान में वृध्द महिला अपने बेटी-दामाद के साथ रह रही है। आवेदिका के दो मकान है अनावेदकगणों ने स्वीकारा कि दोनो मकान आवेदिका के नाम पर ही है। अनावेदकगणों की स्वीकारोक्ति से स्पष्ट है कि आवेदिका दोनो मकान की मालकिन है। 04 वर्षों से अनावेदकगणों ने आवेदिका को उसके अपने ही घर से निकाल दिया है। आयोग की समझाईश पर अनावेदकगणों ने स्वीकारा की 1 सप्ताह के अंदर आवेदिका को एक मकान देंगे।एक अन्य प्रकरण आवेदिका ने बताया कि अनावेदकगणों द्वारा 2018 से उन्हें समाज से बहिष्कृत किया है, क्योंकि उसने पीपल पेड़ की डंगाल काटी थी।

डीडी नगर वार्ड में 3 करोड़ की लागत से होगा सड़कों का डामरीकरण, मूणत ने किया भूमिपूजन

विजय मत, रायपुर।

डीडी नगर वार्ड की भीतरी सडकों के डामरीकरण कार्य की शुरूआत पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने की। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड समेत वार्ड के पार्षद, भाजपा नेता व नागरिक बडी संख्या में उपस्थित रहे। इस पर लोक निर्माण विभाग 3 करोड खर्च करेगा।मूणत ने कहा वे जल्द ही पश्चिम विधानसभा के वार्डो में 125 करोड रुपए के नये विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसके पूर्व में यहां 168 करोड रुपए के विकास कार्य करवा चुके है। मूणत ने कहा कि शहर में पार्किंग सुव्यवस्थित करने अभियान चलाया जाना है। क्षेत्र के 20 वार्डों में दुकानदार बारिश तक दुकानों

में व्यवस्थित पार्किंग करवा ले, अन्यथा बारिश के बाद अवैध पार्किंग पर कड़ी कार्यवाही करने रायपुर पश्चिम विधानसभा के वार्डो में लगातार अभियान चलाया जायेगा।राजेश मूणत ने कहा कि हीरापुर बंगाली होटल के पास फाइबर ब्रिज एवं सरोना ब्रिज का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। डीडी नगर के पास रिंग रोड को सुन्दर विकसित सुव्यवस्थित बनाने विकास कार्य शीघ्र करवाये जायेंगे इससे सुरक्षित वातावरण एवं स्वच्छता कायम हो सकेगी। मूणत ने डीडी नगर वार्ड पार्षद को गोल चौक रोहणीपुरम को व्यवस्थित करवाकर सुरक्षित वातावरण कायम करने जनप्रतिनिधि के रूप में जनहित में आवश्यक पहल करने का सुझाव दिया।

कला केंद्र में 20 से अधिक प्रशिक्षण शुरू, 150 छात्रों से ज्यादा छात्रों का हुआ रजिस्ट्रेशन

विजय मत, रायपुर।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशन में आज नालंदा परिसर स्थित कला केंद्र में समर कैंप की शुरूआत हुई। कला केंद्र में आयोजित समर कैंप में भाग लेने अब तक 150 से ज्यादा छात्रों ने रजिस्ट्रेशन किया है।

कला केंद्र में आयोजित इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में छात्रों के लिए 20 से अधिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समर कैंप में 110 दिव्यांग छात्र और बालिका गृह से छात्राएं भाग ले रही हैं।

उल्लेखनीय है कि समर कैंप सुबह के समय संचालित हो रहा है।यह चार चरणों में आयोजित होगा, पहला चरण 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025, दूसरा चरण 1 मई से 15 मई 2025, तीसरा

चरण 16 मई से 30 मई 2025 और चौथा चरण 1 जून से 15 जून तक चलेगा।इसके अलावा कला केंद्र की नियमित कक्षाएं शाम को संचालित होती रहेंगी। समर कैंप में भाग लेने के इच्छुक कैंप शुरू होने के 5 दिन पहले तक अपना पंजीयन कला केंद्र में करा सकते हैं। समर कैंप में गायन, नृत्य, जुम्बा, योगा, मेहंदी आदि का प्रशिक्षण दिया रहा है।

राहत की बात — सुशासन तिहार से प्राप्त आवेदनों का ईमानदारी और गंभीरता से करें निराकरण : प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा

सीएम के निर्देश पर आदिम जाति विकास विभाग का बड़ा निर्णय, अब फार्म भरते ही छात्रवृत्ति

विजय मत, रायपुर।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने रायपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के सहायक आयुक्तों की मैराथन बैठक ली। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार राज्य सरकार की महत्वकांक्षी पहल है। पहले चरण में 8 से 11 अप्रैल तक सामान्यजनों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। दूसरे चरण में एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाना है। श्री बोरा ने कहा कि जनहित में हमारा दायित्व है कि सुशासन तिहार से प्राप्त आवेदनों का पूरी ईमानदारी और गंभीरता से निराकरण किया जाए।प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर आदिम जाति विकास विभाग ने सुशासन की ओर एक कदम आगे बढ़ते हुए एक छात्रवृत्ति पोर्टल के रूप में 7 मई से नवीन व्यवस्था शुरू करने जा रहा है। इसके

तहत अब छात्रवृत्ति के लिए फार्म भरने वाले छात्र-छात्राओं को फार्म भरते ही छात्रवृत्ति मिलना शुरू हो जाएगा। नवीनीकरण वाले छात्र-छात्राएं 7 मई से आवेदन करेंगे, उन्हें 15 जून के भीतर ही छात्रवृत्ति की पहली किस्त मिल जाएगी और जून-जुलाई में फार्म भरने वालो को अक्टूबर में और नवीन छात्र जो अगस्त-सितम्बर में फार्म भरेंगे, उन्हें नवम्बर दिसंबर में ही छात्रवृत्ति मिलना शुरू हो जाएगी। इस नवीन व्यवस्था से शासकीय और निजी संस्थाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को काफी लाभ मिलेगा।दरअसल बात यह है कि पहले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति फार्म भरने के बाद कई महीनों तक इंतजार करना पड़ता था। ज्यादातर फरवरी-मार्च में ही छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने की परंपरा रही है। इससे मंहगी फीस वाले संस्थाओं में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को फीस जमा करने में परेशानी होती थी। अब नवीन व्यवस्था के तहत फार्म जमा करते ही छात्रवृत्ति मिलने से उन्हें फीस पटाने, पुस्तक कॉपी खरीदने सहित अन्य जरूरत के समान खरीदने में आसनी होगी।बैठक में श्री बोरा ने अधोसंरचना विकास के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्माणधीन कार्यों में तेजी लाते हुए बारिश के पहले पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि नवीन कार्य की निविदा जारी कर 15 मई तक काम शुरू हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के ऐसे आश्रम-छात्रावास जो जर्जर हो चुके हैं, ऐसे भवनों का परीक्षण कर नए भवन निर्माण के लिए तत्काल प्रस्ताव भेजा जाए। उन्होंने कहा कि नवीन भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से बनाया जाए। साथ ही विभाग के पुराने भवनों में भी जल संरक्षण के दिशा में आगे बढ़ते हुए चरणबद्ध तरीके से वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना सुनिश्चित हो।प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में कहा कि आगामी दो माह बाद अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आने वाला है। आश्रम-छात्रावास के बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा योग से जोड़ने के लिए वृहद रूप से योगाभ्यास कार्यक्रम किया जाना सुनिश्चित हो। इसके लिए अभी से तैयारी शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि समय-समय में आश्रम-छात्रावासों में कांउसलर आमंत्रित कर बच्चों के कैरियर निर्माण विषय पर व्याख्यान कराया जाना चाहिए।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

भगवान जब जीवन देता है तो सही सही उम्र भी दे?

भगवान जब जीवन देता है तो सही सही उम्र भी देद्य आगाह अपनी मौत से कोई बसर नहीं सामान सौ वर्ष का है पल भर की खबर नहीं हैद्य मौत का कोई कैलेंडर नहीं होताद्य मौत का समय, स्थान, निर्धारित है अक्सर देखा गया है कि आज छोटे छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की अकाल मृत्यु हो रही हैद्य जन्म लेते ही बच्चों की मौत हो जाती हैद्य बीमारी से मौत हो रही है, सड़क हादसों में लोग मारे जा रहे हैंद्य छोटे छोटे बच्चे अनाथ हो रहे हैं, छोटी उम्र में बेटियां विधवा हो रही हैं उनके सुहाग उजड़ रहे हैंद्य सुहाग उजड़ने के बाद उनका जीवन तबाह हो जाता हैद्य जिंदगी काटना मुश्किल हो जाती हैद्य मौत एक अटल सच्चाई है जो पैदा हुआ है वह एक दिन दुनिया से रुख़सत होगाद्य मौत को कोई नहीं टाल सकताद्य राजा महाराजा सब को मौत नसीब होती है मौत से कोई नहीं बच पाया हैद्य मौत को आज तक कोई नहीं बांध पाया हैद्य मौत एक शाश्वत सच्चाई हैद्य जीवन अनमोल हैद्य मानव को अपना जीवन सही तरीके से जीना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिएद्य मानव जीवन बहुत ही दुर्लभ होता हैद्य आज लोग जीवन को बर्बाद कर रहे हैद्य युवा से लेकर बुजुर्ग तक नशेड़ी बन चुके हैंद्य युवा नए नए नशे कर रहे हैं और अपना जीवन नर्क बना रहे हैंद्य अल्प मृत्यु हो रही हैद्य सुख दुःख जीवन की धूप छावँ हैद्य दुनिया मै कोई भी इंसान सुखी नहीं है सुख दुःख जीवन मै आते जाते रहते हैंद्य आज सुख है कल को दुःख भी झेलना पड़ सकता हैद्य ईश्वर को सुख दुःख मे बराबर याद रखना चाहिए ताकि एक संतुलन बना रहेद्य सुखी वही मानव है जो सुख दुःख मै अपने को ढाल लेता है क्यूंकि जिंदगी मे कई परिस्थितियां बनती रहती है जिसने परिस्थिति को संभाल लिया वही विजेता हैद्य सुख दुःख सदा नहीं रहताद्य अपना अपना भाग्य हैं कहीं कोई रोटी को तरसते हैं तो कहीं खाना नालियों मे फेंका जाता हैंद्य किसी के पास अकूत सम्पति है तो कोई एक एक पैसे को तरस रहा हैद्य वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

योगी ने साकार किया राम को रोटी से जोड़ने का सपना

अंकित सिंह

अपने यहां कहा जाता है,जिसने जन्म दिया वही रोटी का भी इंतजाम करेगा। यह ऊपरवाले पर मुकम्मल भरोसे के साथ इस बात की ओर भी संकेत करता है कि अगर अपने इष्टदेवों से जुड़े स्थलों को सजा सवार दिया जाय। वहां आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा एवं सुविधा के मद्देनजर बुनियादी सुविधाएं विकसित कर दी जाएं तो वहां भारी संख्या में रोजी रोजगार के अवसर स्थानीय और आसपास के लोगों को उपलब्ध होते हैं। यह राम को रोटी को जोड़ने जैसा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सच साबित कर दिया। आज शिव की अविनाशी काशी और राम की अयोध्या पर्यटकों की आमद के मद्देनजर यहां के लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन गए हैं। कमोबेश यही स्थिति अन्य तीर्थ स्थलों की भी है। तीरथराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ में तो इसका चरमोत्कर्ष दिखा। सरकार का अनुमान था कि करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले विश्व के इस सबसे बड़े धार्मिक समागम में करीब 35 से 40 करोड़ श्रद्धालु एवं पर्यटक शामिल होंगे, पर शामिल हुए 66 करोड़ से अधिक लोग। इनमें से बहुतों की मंजिल सिर्फ प्रयागराज ही नहीं, काशी, अयोध्या, वनगमन के दौरान जहां भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता सहित राम को निषादराज ने जहां उनको गंगा पार कराया था वह श्रृंगवेरपुर और वनगमन के दौरान राम ने मंदाकिनी के तट पर जिस चित्रकूट में सर्वाधिक समय गुजारा था, वह भी थी। कई लोगों ने विंध्याचल स्थित मां जगदंबा के दरबार में भी हाजिरी लगाई।

> उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सच साबित कर दिया। आज शिव की अविनाशी काशी और राम की अयोध्या पर्यटकों की आमद के मद्देनजर यहां के लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन गए हैं। कमोबेश यही स्थिति अन्य तीर्थ स्थलों की भी है। तीरथराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ में तो इसका चरमोत्कर्ष दिखा।

अब एक पर्यटक ने औसतन इस दौरान कितना खर्च किया। इस खर्च का कितना कितना लाभ इस सेक्टर्स से जुड़े स्टेकहोल्डर्स और स्थानीय लोगों को मिला। केंद्र और राज्य सरकार के हिस्से में प्रयागराज के महाकुंभ और काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर और राममंदिर एवं अयोध्या के कायाकल्प पर हुए खर्च की तुलना में कितना लाभ हुआ, यह अर्थशास्त्र के जानकारों के लिए अनुमान विषय है। पर, यह निर्विवाद सच है कि पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद से लाभ में सब रहे। साथ ही इसने उत्तर प्रदेश के लिए संभावनाओं का एक नया और बड़ा दरवाजा खोल दिया। क्योंकि, बहुसंख्यक समाज के रोम रोम में बसने वाले राम की अयोध्या, तीनों लोकों से न्यारी शिव की काशी और राधा कृष्ण की जन्म भूमि, ग्वाल बालों और गोपियों के साथ लीला के स्थल ब्रज उत्तर प्रदेश में है। इन सभी जगहों की संभावनाओं के मद्देनजर योगी सरकार यहां आने वालों की सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से लगातार काम भी कर रही है। इसका नतीजा है कि पर्यटकों की आमद के हिसाब से उत्तर प्रदेश लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2022 से ही घरेलू पर्यटकों के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में नंबर एक पर बना हुआ है। सरकार के आंकड़ों पर गौर करें तो 2017 में उत्तर प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या मात्र 24 करोड़ थी, जो 2024 में बढ़कर 65 करोड़ हो गई। आठ वर्षों में 41 करोड़ की यह वृद्धि खुद में अभूतपूर्व है। स्वाभाविक है कि महाकुंभ के नाते 2025 एक नया रिकॉर्ड रचेगा। यह संख्या एक अरब का ऊपर तक जा सकती है।

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 60 फीसद से अधिक घरेलू यात्राएं धार्मिक स्थलों की होती हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा देनी होती है। यह सारा काम उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संजीदगी से कर रही है।

यह सब यूं ही नहीं हुआ। इसकी पृष्ठभूमि मार्च 2017 में जब योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तभी से शुरू हो गई थी। तब अयोध्या जाना तो दूर की बात, कोई नेता अयोध्या का नाम तक नहीं लेना चाहता था उस अयोध्या में वह बार बार गए। हर बार उन्होंने अयोध्या को विकास की बड़ी सौगात दी। दीपावली के एक दिन पूर्व भव्य दीपोत्सव आयोजन कराया। इससे एक बार फिर देश-दुनिया में राम को मानने वालों का ध्यान अयोध्या की ओर गया। राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने और मंदिर का शिलान्यास होने के बाद तो केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या के कायाकल्प के लिए खजाने का मुंह खोल दिया। मुख्यमंत्री की मंशा अयोध्या की दुनिया की सबसे खूबसूरत पर्यटन नगरी बनाने की है। इसे वे कई बार सार्वजनिक मंचों से भी कह चुके हैं। उसी मंशा के अनुरूप अयोध्या में लगातार काम भी हो रहे है। काशी, प्रयाग, ब्रज क्षेत्र पर भी उनका इसी तरह फोकस है। उल्लेखनीय है कि राम और रोटी का रिश्ता अटूट है। दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। राम मंदिर आंदोलन को धार देकर भाजपा ने इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का सबसे प्रमुख एजेंडा बनाया। करीब 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद जब राम मंदिर आंदोलन के बारे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और अयोध्या में राम जन्मभूमि पर रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तो केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा ही सत्ता में रही। सोने पर सुहागा यह कि इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ थे। यह वह पीठ है जिसका राम मंदिर आंदोलन से वास्ता करीब 100 वर्षों का है। योगी के दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ, गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ और खुद योगी आदित्यनाथ राम मंदिर आंदोलन के हर महत्वपूर्ण घटना के समय मौजूद रहे। ऐसे में जनमानस के मन में यह बैठ गया है कि अयोध्या में श्रीराम को फिर से पुनर्स्थापित करने का काम भाजपा ने किया। इस काम में गोरक्षपीठ की अहम भूमिका रही।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

मोदी का नया मंत्र : देरी विकास का दुश्मन

उमेश चतुर्वेदी

लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती हैं, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पाती। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है।

> लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है।

अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई। तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया।

प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास का दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुईं, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी।

देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। 'देरी, विकास का दुश्मन है' के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

ललित गर्ग

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8339

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	
	■	■		■	10	11	■	
12		13	■	14				
■	■		■		■		■	■
15			16		■	17		18
	■	19		■	20	■	■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8338 का हल

■	म	नु	हा	र	■	नी	■	■
■	हा	■	मि	■	म	र	घ	ट
भं	व	र	■	म	नो	ज	■	क
■	र	ज	त	■	का	■	ता	रा
म	■	नी	ल	क	म	ल	■	व
हा	ल	■	ब	■	ना	ह	क	■
व	■	आ	गा	र	■	र	वा	ना
त	क	रा	र	■	रा	■	य	■
■	■	म	■	त	ह	म	द	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

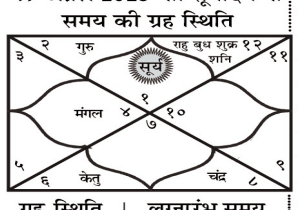

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.28 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.12 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.10 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.24 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.40 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.52 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.02 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.17 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.33 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मकर	00.38 बजे से
		कुंभ	02.25 बजे से
		मीन	03.57 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 107 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 15.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 05.55 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 00.50 बजे रात्र को समाप्त। करण बालव 15.24 बजे तदनन्तर कौलव 00.19 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 18.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 29'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872317
जूलियन दिन 2460782.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40	से	07.11 बजे तक
रोग	07.22	से	08.51 बजे तक	चर	07.11	से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51	से	10.19 बजे तक	रोग	08.43	से	10.15 बजे तक
चर	10.19	से	11.47 बजे तक	काल	10.15	से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47	से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47	से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15	से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19	से	02.51 बजे तक
काल	02.43	से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51	से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11	से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कांग्रेस का प्रदर्शन भ्रष्टाचार छुपाने के लिए है या गांधी परिवार को बचाने के लिए

कांग्रेस का प्रदर्शन 'चोरी और सीनाजोरी' का उत्कृष्ट उदाहरण : विष्णुदत्त शर्मा

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा झूठ, छल-कपट की राजनीति करती रही है और नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर उसका विरोध प्रदर्शन भी चोरी और सीनाजोरी का उत्कृष्ट उदाहरण है। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की चार्जशीट में श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम आना पूरी तरह से तकनीकी और कानूनी मामला है। इसलिए कांग्रेस को ईडी और आयकर जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर प्रदर्शन के माध्यम से दबाव डालने का प्रयास करने की बजाय उसे तकनीकी और कानूनी आधार पर अपना पक्ष अदालत में रखना चाहिए।

कांग्रेस पता लगाए, ये अंदरूनी षडयंत्र किसने रचा?

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले की शुरुआत 2012 में हुई थी, उस समय देश में कांग्रेस की ही सरकार थी। एक जनहित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में इस मामले में सुनवाई शुरु की और 2013 में ही नेशनल हेराल्ड मामले में केस दर्ज हुआ। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार नहीं थी, बल्कि कांग्रेस की ही सरकार थी। ऐसे में कांग्रेस के मित्रों से मैं यह पूछना चाहता हूं कि ईडी की चार्जशीट में श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी एवं सैम पित्रोदा आदि के जो नाम आए हैं, तो इनके खिलाफ षडयंत्र किसने किया? चूंकि यह मामला मोदी सरकार के आने के पहले का है, इसलिए कांग्रेस पार्टी का इस मुद्दे पर राजनीति करने का कोई औचित्य ही नहीं बनता।

स्वतंत्रता सेनानियों के विरोध को अनदेखा किया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि नेशनल हेराल्ड के स्वामित्व वाली कंपनी ऐसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की स्थापना देश के स्वतंत्रा संग्राम सेनानियों ने की थी। ये पांच हजार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इसके शेयर होल्डर भी थे। इन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शेयर होल्डर्स ने कंपनी के अधिग्रहण का विरोध किया था, आपत्ति भी दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि शेयर धारकों से पूछे बिना कंपनी को किसी को भी कैसे दे दिया गया? शांति भूषण जी के पास भी इसके शेयर थे और उन्होंने भी इसका विरोध किया था। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्ता जी ने तो अधिकारिक रूप से कहा था कि नेशनल हेराल्ड के लिए मैंने मेहनत करके पार्टी कार्यकर्ताओं से पैसा जुटाया था और यह अखबार देश की आवाज उठाने के लिए स्थापित किया गया था।

काले धन को सफेद करने का माध्यम था नेशनल हेराल्ड

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। देश में जनता की आवाज को बुलंद करने के लिए कई अखबार और चैनल आए तथा चल भी रहे हैं। ऐसे में एक ऐसा अखबार जिस पर कांग्रेस की सरकारों का पूरा आशीर्वाद रहा, वो क्यों नहीं चल सका? शर्मा ने कहा कि यह अखबार परोक्ष रूप से काले धन को सफेद करने और कांग्रेस के भ्रष्टाचार का माध्यम ही था। उन्होंने कहा कि इस मामले में नैतिक और तकनीकी आधार पर कांग्रेस के दावे बहुत खोखले तथा आधारहीन हैं। इस मामले में कांग्रेस को धरना-प्रदर्शन करने का कोई अधिकार नहीं है।

कार्पोरेट षडयंत्र का परिणाम है नेशरल हेराल्ड मामला... *भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि नेशनल हेराल्ड अखबार 1937 में शुरू हुआ। उस समय यह नेहरू खानदान की जागीर नहीं था, इसके 5000 शेयर-होल्डर थे। कई लोगों ने इसके लिए सहयोग किया था। 2008 में नेशनल हेराल्ड बंद हो गया। उसके बाद कांग्रेस पार्टी ने 90 करोड रुपए का लोन इस अखबार को दिया। नेशनल हेराल्ड की आर्थिक स्थिति नहीं सुधरी, तो कार्पोरेट षडयंत्र करके यंग इंडिया नाम की कंपनी बनाई गई, जिसमें 38-38 प्रतिशत शेयर श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी के थे। बाकी मोतीलाल वोरा व अन्य लोगों के थे। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि कांग्रेस एक पॉलीटिकल पार्टी है और एक पॉलीटिकल पार्टी किसी प्राइवेट बॉडी को फंड कैसे दे सकती है? इसके बाद नेशनल हेराल्ड के 90 करोड़ के शेयर यंग इंडिया कंपनी को ट्रांसफर कर दिए गए, जिसके शेयर होल्डर्स श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी है। इस तरह यह पूरी संपत्ति एक परिवार के हाथ में आ गई। यह बताया गया था कि यंग इंडिया एक चैरिटेबल संस्था है, लेकिन यह क्या चैरिटी करती है, इसका किसी को कुछ नहीं पता। इस तरह से जो अखबार आजादी के आंदोलन में लड़ने वाले लोगों की आवाज को ताकत देने के लिए स्थापित किया गया था, उसे निजी व्यापार में बदल दिया गया। शर्मा ने कहा कि जिस तरह से शेयर ट्रांसफर किए गए और हजारों करोड़ की संपत्ति हथिया ली गई, तो यह लूट का मामला भी बनता है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी को यह बताना चाहिए कि उनका यह प्रदर्शन किस बात के लिए है? भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए है या गांधी परिवार को बचाने के लिए है।*

भोपाल में कांग्रेस ने किया जिला अदालत के समक्ष विरोध प्रदर्शन

भाजपा द्वारा ईडी का दुरूपयोग राजनैतिक एजेंडा देश में अघोषित आपालकाल का संकेतः पटवारी

विजय मत, भोपाल

ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर अभा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा, त्याग की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में चार्ज शीट दायर किये जाने के विरोध में आज देश भर में कांग्रेस पार्टी ने भाजपा सरकार और ईडी के खिलाफ प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। वहीं अभा कांग्रेस के निर्देश पर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तू पटवारी के निर्देश पर सभी जिलों में जिला मुख्यालयों व बड़े सरकारी दफ्तरों पर कांग्रेस ने ईडी द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर की गई कार्यवाही के विरोध में प्रदर्शन कर मोदी सरकार को घेरा। पटवारी ने इस मामले को लेकर मीडिया से चर्चा कर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तू पटवारी के नेतृत्व में आज राजधानी भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तू पटवारी के नेतृत्व में भोपाल जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और ग्रामीण अध्यक्ष अनोखी मानसिंह पटेल के तत्वावधान में ईडी द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले पर चार्ज शीट दायर किये जाने पर मोदी सरकार की तानाशाही, भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर भाजपा की कुत्सित मानसिकता के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों ने हाथों में तखतियां लेकर ईडी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जमकर नारेबा की।

पटवारी ने कहा कि भाजपा नेशनल हेराल्ड को लेकर पिछले 5 साल से माहौल बना रही है और विपक्ष को दबाने की साजिश रच रही है। विपक्ष के 36 चुनिंदा नेताओं पर ईडी का दुरूपयोग किया गया, किसी पर दोष साबित नहीं हुआ, लेकिन 70 फीसदी नेताओं ने भाजपा ज्वाइन कर ली। सोनिया गांधी ने एक रूपया भी किसी से नहीं लिया, उन्होंने प्रधानमंत्री पद तक का त्याग किया और ऐसी त्याग की प्रतिमूर्ति सोनिया गांधी और माननीय राहुल गांधी पर इस तरह का कृत्य देश की जनता पर खतरा है। भाजपा देश में अघोषित अपालकाल लाना चाहती है।

पटवारी ने नेशनल हेराल्ड मामले में चार्ज शीट दायर किये जाने को देश में एक तरह से इमरजेंसी का संकेत बताते हुये कहा कि इस मामले में विपक्ष को बदनाम किया जा रहा है। भाजपा ईडी का दुरूपयोग अपने राजनीतिक एजेंडे को लेकर करती है जो देश के लिए खतरनाक है। मोदी में साहस हैं तो वह पूरी भाजपा, अपने मंत्रियों, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव उनके मंत्रीमण्डल, विधायकों और भाजपा नेताओं की जांच कराएं तो उनकी पार्टी के नेताओं के नाम ही सबसे ज्यादा संपत्ति निकलेगी।

न्यूज इन शॉर्ट

एजुकेशन पोर्टल 3.0 में है मानव संसाधन से संबंधित व्यापक जानकारी

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शिक्षा सत्र एक अप्रैल, 2025 से एजुकेशन पोर्टल 3.0 तैयार किया है। इस पोर्टल में विभाग से जुड़ी मानव संसाधन की व्यापक जानकारी का समावेश किया गया है। इस पोर्टल से विभाग के कर्मचारियों का डाटाबेस तैयार किया गया है। पोर्टल में मानव संसाधन से संबंधित जानकारी को कर्मचारी और विकासखण्ड स्तर पर वेरीफाई किया गया है। इसमें विभाग के करीब 2 लाख 75 हजार कर्मचारियों की समस्त जानकारी पारदर्शी रूप से पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी है। विभाग के पौने तीन लाख कर्मचारियों के स?थानांतरण को भी पारदर्शी माध्यम से स्थानांतरण नीति-2022 के आधार पर ऑनलाइन ट्रांसफर मॉड्यूल तैयार किया गया है। उच्च पद प्रभार एवं अतिथि शिक्षक प्रक्रिया को भी पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा रहा है। विभाग के सभी कर्मचारियों को वेतन पर्ची उनके मोबाइल पर प्राप्त हो सके, ऐसी व्यवस्था विभाग द्वारा की गयी है। विभाग के कर्मचारी छोटी-छोटी समस्याओं के लिये जिला या मुख्यालय स्तर पर चक्कर न लगायें। इसके लिये उनकी शिकायतों निराकरण के लिये परिवेदना प्रणाली को ऑनलाइन किया गया है। पोर्टल में इंटीग्रेटेड डेशबोर्ड से मुख्यालय, जिला और विकासखण्ड स्तर पर समस्त गतिविधियों की मॉनीटरिंग किये जाने की व्यवस्था की गयी है। एजुकेशन पोर्टल 3.0 में एकीकृत डाटाबेस के आधार पर जानकारी तैयार की जा रही है। यह जानकारी सुरक्षित रहे, इसके लिये ब्लॉक चेन बेस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। विभाग में विभिन्न जानकारियों के लिये अलग-अलग पोर्टल का उपयोग अब तक किया जा रहा था। अब विभाग में एकीकृत पोर्टल के माध्यम से सभी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा सकेगा।

अनुसूचित जाति वर्ग स्वरोजगार स्थापित करने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का ले लाभ

भोपाल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित भोपाल ने बताया कि अनुसूचित जाति वर्ग को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना एवं सावित्री बाई फुले स्व: सहायता समूह योजनाएं संचालित की जा रही है। संत रविदास स्वरोजगार योजना में उद्योग स्थापित करने के लिए एक लाख से 50 लाख रूपए तक, एक लाख से 25 लाख रूपए तक सेवा इकाई एवं खुदरा व्यवसाय के लिए 18 से 45 वर्ष आयु एवं न्यूनतम कक्षा 8वीं उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक नहीं होना चाहिए, बैंक से प्राप्त ऋण पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षों तक दिया जाएगा। आवेदन www.samast.mponline.gov.in पोर्टल पर एमपी ऑनलाइन के माध्यम से कर सकते है।

राज्य आनंद संस्थान खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव बढ़ाने के लिए प्रयासरत

भोपाल। राज्य आनंद संस्थान जीवन में खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्यरत है। आनंद शिविरों के माध्यम से इस दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। आनंद शिविर का आयोजन शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों के लिए किया जाता है। इन शिविरों का उद्देश्य प्रतिभागियों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाना एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य आनंद संस्थान आशीष कुमार ने बताया कि जीवन में 'आनंद' के साथ प्रत्येक कार्य करना चाहिए। विभाग का उद्देश्य आनंद एवं सकुशलता को मापने के पैमानों की पहचान तथा उन्हें परिभाषित करना है। राज्य में आनंद का प्रसार करने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करने का कार्य भी किया जा रहा है। आनंद की अवधारणा का नियोजन नीति निर्धारण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया की मुख्य धारा में लाना, आनंद की अनुभूति के लिये एक्शन प्लॉन एवं गतिविधियों का निर्धारण भी किया जा रहा है। निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मन:स्थिति का आंकलन करना, आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना, आनंद के प्रसार माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना और आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करने का कार्य आनंद विभाग द्वारा किया जा रहा है।

18-19 अप्रैल को अवकाश के बावजूद सभी उपार्जन केन्द्रों पर होगी गेहूं की खरीदी: राजपूत

विजय मत, भोपाल

प्रदेश के अन्नदाताओं की सुविधा और हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी उपार्जन केन्द्रों पर आगामी 18 और 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद गेहूं की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसके लिए किसान स्लॉट बुक करा सकते हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। किसान इन तिथियों में स्लॉट बुक कर बिना किसी परेशानी के गेहूं विक्रय कर सकेंगे। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कलेक्टरों को दिए गए निर्देश... *खाद्य मंत्री राजपूत ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में उपार्जन केन्द्रों की निरंतर मॉनीटरिंग करें। उपार्जन कार्य से जुड़े कर्मचारियों, अधिकारियों और एजेंसियों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि किसानों को कतारों में लंबा इंतजार न करना पड़े, तुलाई, रख-रखाव, भुगतान और परिवहन की सभी व्यवस्थाएँ समय पर और पारदर्शिता से हों।*

किसानों को न हो कोई असुविधा

खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि सरकार किसान हितैषी है। यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसलिए अवकाश के दिन भी उपार्जन कार्य जारी रखा जाएगा। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक संसाधनों और कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी भी उपार्जन केन्द्र से लापरवाही या अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एमपी ट्रांसको ने मानव जीवन के लिए घातक अनाधिकृत निर्माण तोड़े

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांस्को) की एक्स्ट्रा हाईटेंशन लाइन के समीप के उस निर्माण को आज एमपी ट्रांसको के अधिकारियों की उपस्थिति में तोड़ा गया जिसके कारण कुछ दिन पूर्व शारदा नगर ,नारियल खेड़ा, भोपाल से गुजर रही 132 के व्ही भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के संपर्क में आने के कारण दो रहवासी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एम.पी. ट्रांसको के भोपाल में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस. के. दुबे ने बताया कि विगत 12 अप्रैल को शारदा नगर, नारियल खेड़ा, भोपाल क्षेत्र में 132 केवी भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन में ट्रिपिंग आई थी।

सीधी जिले के कालीन मध्यप्रदेश की शान: दिलीप जायसवाल

विजय मत, भोपाल

कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि ÷एक जिला एक उत्पाद÷योजना के अंतर्गत सीधी जिले की दरी और कालीन को खास पहचान मिली है। सीधी जिले के दरी और कालीन मध्यप्रदेश की शान हैं। मंत्री जायसवाल ने कहा कि स्थानीय कारीगरों की मेहनत को नया बाजार मिलेगा। साथ ही उनकी परंपरा और हुनर को नये मुकाम तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुनकर मुद्रा योजना के साथ प्रदेश के बुनकरों की तरक्की होगी। योजनांतर्गत, बुनकरों को अब 50 हजार रुपए से लेकर 5 लाख रूपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य और केन्द्र सरकार साझा प्रयास कर बुनकरों को हक और प्रोत्साहन दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि रेशम के धागे से दवाइयाँ और सेरीबैंडेज का निर्माण होगा। ऐसा नवाचार करने के मामले में मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा एवं नर्मदा के वनों के ककून से दवाएँ बनाई जाएंगी।

सेरीबैंडेज की विशेषताएं... *रेशम घाव को गीला नहीं रखता, शरीर के साथ भी नहीं चिपकता तथा रेशम से फायब्रोयिन नामक प्रोटीन निकलता है, जो जख्मों, डायबिटीज से ऊंगलियों में होने वाले घाव और गर्भवती महिलाओं के सर्जिकल डिलीवरी के घाव को कम समय में ठीक करता है। इससे संक्रमण की संभावना भी नगण्य हो जाती है।*

रेशम की विशेषताएं

रेशम एक मजबूत प्राकृतिक फाइबर है, जो घर्षण और तनाव का प्रतिरोधी होता है। रेशम के धागे से पाउडर, क्रीम, सेरीबैंडेज और सिजेरियन बैंडेज का निर्माण होता है। रेशम नमी को सोख लेता है, जो इसे गर्मियों के कपड़ों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है। रेशम लचीला होता है, जो इसे विभिन्न प्रकार के कपड़ों और उत्पादों के लिए उपयुक्त बनाता है।

जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण को लेकर जन-जागरूकता अभियान

बैरसिया के खेजड़ा घाट, हथाईखेड़ा डेम और वन विहार तालाब में चला श्रमदान और सफाई अभियान

विजय मत, भोपाल

जल गंगा संवर्धन अभियान-2025 के अंतर्गत भोपाल जिले में जल स्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर जन-सहभागिता आधारित गतिविधियाँ संचालित की गईं। जिला प्रशासन और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में बैरसिया स्थित खेजड़ा घाट की बाह्य नदी में छात्रों द्वारा साफ-सफाई के साथ बोरी बंधान का निर्माण किया गया। इसके अतिरिक्त, हथाईखेड़ा डेम में भी सफाई कार्य संपन्न हुआ।

इसी क्रम में वन विहार के समीप स्थित छोटे तालाब में नगर निगम भोपाल के सहयोग से पानी की सतह पर उगी हुई घास को हटाकर तालाब की सफाई की गई। इस श्रमदान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र, जन अभियान परिषद के जिला एवं विकासखंड समन्वयक तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और समुदाय को जल स्रोतों की स्वच्छता एवं सतत विकास के लिए प्रेरित करना है। इस दिशा में स्कूल शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा भी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिनमें निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर-बैनर और चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से स्कूली छात्रों को जल संरक्षण का संदेश देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

समीक्षा

विजय मत, भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों के साथ पिछड़ा वर्ग कल्याण, विमुक्त,घुमंतु एवं अर्ध घुमंतु विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

खास-खबर | जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जन भागीदारी से हो रहे है कार्य

प्रदेश में जल संरचनाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य निरंतर जारी

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में 30 मार्च से निरंतर जल संरचानाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य निरंतर जारी है। इन कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के दौरान उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें सफाई और गहरीकरण के बाद पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्वालियर के पृथ्वी तालाब को पर्यटन के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। तालाब के सौंदर्यीकरण की शुरूआत क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह और महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की उपस्थिति में भूमि-पूजन से हुई। सांसद कुशवाह ने बताया कि पृथ्वी तालाब के लिये अमृत योजना में 3 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त हुई है। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने जानकारी दी कि तालाब के चारों और सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। इससे तालाब का जल स्तर बढ़ेगा।

सिंगरौली जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्रोतों की सफाई के साथ जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। चितरंगी शासकीय कन्या विद्यालय में जल के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता हुई। छात्राओं ने जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अपने विचार रखे। छात्राओं ने कहा कि जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना होगा। धार जिले में नगर के रामतलाई तालाब की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस कार्य में जिला आयुष कार्यालय से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों ने तालाब की सफाई का कार्य किया। आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 80 त्रिमूर्ति नगर की कार्यकर्ता और सहायिका ने आयुर्वेद से जुड़े चिकित्सकों से पोषण आहार के बारे में जानकारी प्राप्त की। तालाब के सफाई कार्य में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है। बड़वानी जिले में जन भागीदारी से जल संवर्धन के कार्य किये जा रहे है। जनपद पंचायत पानसेमल के ग्राम राखी बुजुर्ग में विधायक श्याम बर्डे के उपस्थिति में वाटर शेड मिशन में कार्य की शुरूआत की गई। क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि पानी के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने बताया कि राखी बुजुर्ग के निकट सुसरी नदी पर बांध बनाये जाने की स्वीकृति मिली है। जनपद क्षेत्र में जल बचाव और पौध संरक्षण पर बच्चों की चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता हुई।

गिद्ध संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन सेंटर केरवा भोपाल के 6 केप्टिव ब्रीडिंग गिद्धों को छोड़ा गया प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में

विजय मत, भोपाल

वन विभाग द्वारा गिद्ध संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गयी है। लुप्तप्राय गिद्ध प्रजातियों को बचाने और उनके संरक्षण के लिये गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन सेंटर केरवा भोपाल के 6 केप्टिव ब्रीडिंग गिद्धों को प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में छोड़ा गया। इनमें 2 सफेद पीठ वाले गिद्ध एवं 4 लम्बी चोंच वाले गिद्धों को मुक्त किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव शुभरंजन सेन ने बताया कि मुक्त किये गये सभी गिद्धों पर ऑर्निट्रैक-25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस-जीएसएम ट्रैकर लगाये गये हैं। इसके माध्यम से उनके आवागमन के पैटर्न और आवास उपयोग की निगरानी की जा रही है। सेन ने बताया कि डायरेक्टर टेक फॉर कंजर्वेशन जी. अरेन्द्रन, विश्व प्रकृति निधि भारत द्वारा गिद्धों को ऑर्निट्रैक-25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस-जीएसएम ट्रैकर लगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सेन ने कहा कि हलाली डेम के आसपास की बस्तियों में टैग किये गये गिद्धों की सुरक्षा एवं जागरूकता के लिये पर्चे बाँटे गये हैं। इनमें आम लोगों से अपील की गयी है कि अगर गिद्ध घायल होते हैं या उन्हें कोई नुकसान पहुँचता है, तो वे तत्काल वन विभाग को सूचित करें। गिद्धों के पहले समूह को प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में छोड़ने के अवसर पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव एल. कृष्णमूर्ति, संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान मीना अवधेश कुमार शिव कुमार, सहायक संचालक वन विहार संदेश माहेश्वरी, बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी मुम्बई के प्रतिनिधि, उप संचालक डॉ. सुजीत नरवड़े, डॉ. सरवन सिंह राठौर, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ. सेमसन, गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केन्द्र केरवा भोपाल संजय परिहार, विश्व प्रकृति निधि भारत की प्रतिनिधि श्रीमती संगीता सक्सेना, अजय मिश्रा और रायसेन वन मण्डल के अधिकारी उपस्थित थे।

यूज़ इन शॉर्ट

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का शहडोल में हुआ स्वागत

शहडोल। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह अनूपपुर जिले के दौरे पर निकले थे, जिनका शहडोल मुख्यालय में आशीष तिवारी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने का मंत्र दिया।स्वागत कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से एनएसयूआई प्रदेश महासचिव आशीष तिवारी,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी,कांग्रेस आईटी सेल के अध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी,हर्ष गौतम, दिलीप द्विवेदी,आशीष द्विवेदी,शिवांशु साहू,आश, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहनों के खातों में 1552 करोड़ से अधिक की राशि की अंतरित

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और सिलेंडल रिफिलिंग योजना की राशि हितग्राहियों के खाते में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में अप्रैल माह की किस्त 1552 करोड़ 38 लाख रूपये अंतरित की। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 23वीं किस्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 340 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की मुख्यमंत्री 25 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 57 करोड़ की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले के कुल 19006 लाडली बहनों हेतु 230544950 रूपये की राषि अंतरित की। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 29172 हितग्राहियों के लिए 17503200 रूपये की राषि अंतरित की। मंडला जिले के ग्राम टिकरवारा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आयोजित कार्यक्रम को कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में वर्चुअली रूप से सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर महिला बाल अधिकारी मनोज लारोकर सहित योजना के लाभार्थी उपस्थित थें।

ब्यौहारी के आखेटपुर में लोगों ने उत्साहपूर्वक बोरी बंधान कार्य में किया श्रमदान

ब्यौहारी। आओ बचाएं जल, करे सुरक्षित कल पानी बचाओ कल के लिये पानी की बर्बादी जीवन की बर्बादी जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण हेतु जन भागीदारी, जनप्रतिनिधियों जन अभियान परिषद के सदस्यों, समाजसेवी व अन्य लोगों के सहयोग से जल संग्रहण संरचनाओं के जीर्णोद्धार, नदी नालों की सफाई, बोरी बंधान तालाबों का गहरीकरण जैसे अन्य कार्य निरंतर किये जा रहे है। शहडोल जिले के जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम आखेटपुर में पानी की एक-एक बूंद सहजेने के लिए, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी सहित अन्य लोगों द्वारा बोरी बंधान एवं नदी नाला सफाई कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया तथा जल संरक्षण का संदेश दिया। श्रमदान कार्य में जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र पटेल, जनपद सदस्य अरविंद पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय सिंह, जन अभियान परिषद के सदस्य हीरालाल साहू, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, स्व-सहायता समूह की महिलाएं सहित अन्य लोगों ने सहभागिता निभाई।

मिशन परिवार विकास पखवाडा रैली व कार्यशाला सम्पन्न

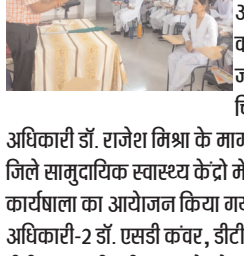

शहडोल। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत परिवार नियोजन की सेवाओं के प्रति जागरूकता हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो में रैली निकाली गई एवं कार्यषाला का आयोजन किया गया। इस अवसर स्वास्थ्य अधिकारी-2 डॉ. एसडी कंवर, डीटीओ डॉ. वाई पासवान, डीपीएचएन श्रीमती वंदना डोंगरे सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता मौजूद रहें।

तहसीलदार ने धरना स्थल पहुंचकर अतिक्रमण हटाने का अनशनकारियों को दिया आश्वासन

अंततः चपरा परिवार का अतिक्रमण हटाने राजी हुआ जिला प्रशासन

विजय मत, शहडोल।

किरण स्ट्रीट नवदुर्गा उत्सव समिति के सदस्य एवं आम नागरिकों द्वारा शासकीय नजूल भूमि एवं पौराणिक बावड़ी में चपरा परिवार द्वारा किए जा रहे अवैध अतिक्रमण के विरोध में पिछले 12 दिनों से चल रहा क्रमिक अनशन जिला प्रशासन की तरफ से सोहागपुर तहसीलदार दिव्या सिंह द्वारा धरना स्थल पहुंचकर अतिक्रमण जल्द हटाए जाने के आश्वासन के बाद अंतिम दौर पर पहुंच गया है किंतु अभी समाप्त नहीं हुआ है।

तहसीलदार दिव्या सिंह ने अनशनकारियों से बातचीत एवं कलेक्टर कमिश्नर से इस पूरे मामले में मार्गदर्शन प्राप्त करने के पश्चात बताया कि राजस्व एवं नजूल विभाग के अमले द्वारा तीन-चार दिनों तक लगातार नाप जोख एवं सीमांकन के कार्य के पश्चात प्रशासन इस नतीजे पर पहुंचा है कि चपरा परिवार द्वारा शासकीय एवं सार्वजनिक नजूल की भूमि पर अतिक्रमण किया गया है जिसे जल्द ही हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमांकन रिपोर्ट तैयार की जा रही है। अतिक्रमण हटाने की समय सीमा के संबंध में तहसीलदार ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों से विचार विमर्श के बाद वे जानकारी देंगी।

निष्पक्ष सीमांकन हुआ

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने कहां की कर्तव्यनिष्ठ कलेक्टर के निर्देशन पर तहसीलदार और उनकी राजस्व की टीम द्वारा निष्पक्ष सीमांकन किया गया है। जहां सभी नागरिक भी मौजूद थे और उसी का परिणाम है कि आज तहसीलदार ने

अतिक्रमण हटाने का वादा किया है। इस मौके पर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार तथा बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

पौराणिक बावली को पुराने स्वरूप में लाकर पुनरुद्धार किया जाए

अनशनकारियों की तरफ से धर्मेंद्र श्रीवास्तव टिक्कू ने तहसीलदार से कहा कि अपर आयुक्त शहडोल संभाग द्वारा वर्ष 2014 में दिए गए आदेश का क्रियान्वयन कराया जाकर ग्राम भुईबांध खसरा नंबर 72 में स्थित सार्वजनिक मैदान को नजूल शासकीय भूमि दर्ज कराया जाकर अवैध अतिक्रमण हटाया जाए। इसके साथ ही पौराणिक बावली को उसके पुराने स्वरूप में लाकर शासन की मनसा अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पुनरुद्धार कराया जाए।

इस अवसर पर समाजसेवी रंजीत बसाक अधिवक्ता शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं अमृतलाल चौधरी राजेंद्र रजक दिनेश सिंह पियूष सोनी अमित रजक अनिल विनोद शर्मा प्रदीप सोनी अनीता गुप्ता माधुरी गुप्ता लारा गुप्ता रेनू गुप्ता नेहा गुप्ता सरोज यादव निरसिया यादव पूजा लहू रानी सुनीता गुप्ता गीता गुप्ता मुकेश गुप्ता धर्मेंद्र यादव जलालुद्दीन मंजा सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

हाई प्रोफाइल इस मामले में जिला प्रशासन ने दिखाई निष्पक्षिता

भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा का नाम इस प्रकरण में शुरू से जुड़ा हुआ था इसलिए जिला प्रशासन इस मामले को हाई प्रोफाइल अप्रत्यक्ष रूप से मान रहा था। यह बात अलग है कि श्रीमती अमिता चपरा ने यह कहकर अपने आप को इस प्रकरण से अलग कर लिया था कि उनका इस मामले से कोई लेना देना नहीं है और न हीं यह उनके परिवार से जुड़ा हुआ मामला है। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। परंतु अनशनकारी लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि यह पूरा मामला भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा से जुड़ा हुआ है और उनके परिवार के द्वारा ही सार्वजनिक एवं शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है। यही कारण है कि जिला प्रशासन भी शुरुआती दिनों में असमंजस की स्थिति में दिखाई दे रहा था क्योंकि यह प्रकरण सत्ता शासन से जुड़ा हुआ दिखाई दे रहा था। किंतु बाद में कलेक्टर के आदेश से तहसीलदार को भेजकर जमीन का सीमांकन और नाप जोख कराई गई जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो गया। इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की भूमिका निष्पक्ष दिखाई दे रही है।

विजय मत खबर का असर शहडोल

विजय मत की निष्पक्ष रिपोर्टिंग की हुई सराहना

वैसे तो इस पूरे प्रकरण की रिपोर्टिंग कई समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक चैनलों द्वारा की गई परंतु जिस तरह से दैनिक विजय मत द्वारा लगातार जन सरोकार से जुड़े इस मामले की रिपोर्टिंग की जाकर पूरी निष्पक्षता से खबरें प्रकाशित की गई उसके कारण जिला प्रशासन को मजबूर होकर निष्पक्ष कार्रवाई करनी पड़ी। यह बात दैनिक विजय मत स्वयं नहीं कह रहा है बल्कि धरना में बैठे वरिष्ठ समाजसेवी रंजीत बसाक वरिष्ठ नागरिक राजेंद्र रजक और पूरे आंदोलन को नेतृत्व दे रहे धर्मेंद्र श्रीवास्तव टिक्कू अधिवक्ता शिवेंद्र प्रताप सिंह तथा जिलाअधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष संदीप तिवारी द्वारा यह बात कही गई है।

विश्वविद्यालय में छात्रों ने शुरू की एक्वेरियम परामर्श सेवा

विजय मत, शहडोल।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल के मत्स्य विज्ञान विभाग के छात्रों ने एक अभिनव पहल करते हुए 'एक्वेरियम परामर्श सेवा' की शुरुआत की है। यह सेवा मत्स्य विभागाध्यक्ष प्रो. अमित निगम के सहयोग एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. वंदना राम के मार्गदर्शन में आरंभ की गई है। इस पहल का उद्देश्य सजावटी मछलियों, जल पौधों, एक्वेरियम की स्थापना एवं रखरखाव, जलजीव औषधियों और संबंधित उपकरणों के विषय में विशेषज्ञ सलाह और सहायता प्रदान करना है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामशंकर ने स्वयं जलीय पौधे को खरीदकर इस सेवा की औपचारिक

शुरुआत की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की फैकल्टी डॉ. चेतना सिंह एवं डॉ. स्वाति पाण्डेय ने भी जल पौधे खरीदे और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ. शिवानी शर्मा, राजपाल पाटले, शिवम् कुमार भट्ट तथा विभाग के कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्रों को मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर

यह अनोखी पहल छात्रों के शैक्षणिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से वे वास्तविक जीवन स्थितियों में कार्य करने का अनुभव प्राप्त करेंगे। साथ ही, यह सेवा स्थानीय स्तर पर जलीय जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन को प्रोत्साहित करेगी।

डॉ. वंदना राम ने जानकारी देते हुए बताया, ÷यह सेवा न केवल छात्रों को उद्यमिता की ओर प्रेरित करेगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाएगी। इसके माध्यम से छात्र विभिन्न घरों, कार्यालयों और व्यावसायिक परिसरों में एक सुंदर, टिकाऊ और स्वस्थ जलीय वातावरण के निर्माण में सहायता कर सकेंगे।

अपर कलेक्टर ने बालक छात्रावास विचारपुर का किया निरीक्षण

शहडोल। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने संभागीय मुख्यालय शहडोल के छात्रावास विचारपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने कहा कि बालक छात्रावास में रह रहे बालको को निर्धारित मीनू के अनुसार नाश्ता, भोजन उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि भोजन की गुणवत्ता बेहतर हो यह भी सुनिश्चित करें। साथ ही अपर कलेक्टर ने बालक छात्रावास के किचेन कक्ष का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता परखी।

पति ने पत्नी का आपत्तिजनक वीडियो बनाकर किया वायरल

विजय मत, शहडोल।

शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक पति द्वारा अपनी पत्नी का आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। यह घटना तब प्रकाश में आई जब पत्नी ने पति की इस हरकत का विरोध किया, जिसके बाद आरोपी ने उसके साथ मारपीट की।

पुलिस ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद दो वर्षों से जारी था, जिसके चलते पत्नी अपने मायके में रह रही थी। हाल ही में, पति ने पत्नी को वीडियो कॉल किया और उसे एक शर्त पर मानने को कहा - जो मैं कहूंगा, तुम्हें करना होगा। उसके बाद मैं तुम्हें अपने घर ले चलूंगा। जब पत्नी ने इस पर सहमति जताई, तो पति ने उसका वीडियो कॉल पर एक आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

जैतपुर थाना प्रभारी रामकुमार गायकवाड़ के अनुसार, महिला को जब इस बात का पता चला तो उसने तुरंत अपने पति के घर जाकर आपत्ति जताई। आरोपी पति ने इस पर महिला के साथ मारपीट की। महिला के दो बच्चे हैं, 2016 में विवाह हुआ था। दो साल पहले ही पति पत्नी का विवाद हुआ था। इसको लेकर पत्नी दो सालों से मायके में रह रही थी।महिला ने घटना के बाद तुरंत थाने जाकर पुलिस से शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने इस मामले में कई धाराओं के तहत आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। महिला ने कहा, मैंने अपने पति पर भरोसा किया था, लेकिन उसने मेरी गरिमा को ठेस पहुंचाई। मैं न्याय की उम्मीद करती हूं। पुलिस प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

जल अमूल्य है, इसे बचाना हम सभी की जिम्मेदारी- कलेक्टर

विजय मत, शहडोल।

जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर डॉ. केदार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों की उपस्थिति में शहडोल जिले के जनपद पंचायत पड़मनिया खुर्द में लोगों को पानी की एक-एक बूंद सहजेने एवं जल का महत्व बताने के लिए जन चौपाल लगाई गई। जन चौपाल को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि जल के बीना जीवन संभव नही है, जल अमूल्य है, इसे बचाने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करना होगा, जल को बचाने के लिए केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नही बल्कि हम सभी कि जिम्मेदारी है कि आने वाले पीढ़ियों के लिए पानी का संचयन करें। उन्होंने कहा कि ग्राम

ग्राम पंचायत पड़मनिया में लगाई गई जन चौपाल और बताया गया एक-एक बूंद पानी का महत्व

पड़मनिया खुर्द जो कि एक आदर्श ग्राम के रूप में चयनित है ग्रामवासियों का यह प्रयास होना चहिए कि यह ग्राम के आस-पास के गांवों के लिए यह ग्राम रोल मॉडल बने, आपसी भाईचारा इतना हो कि इस ग्राम में न तो विवाद हो और न ही कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित रहें। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेते हुए शत-प्रतिशत शिक्षित ग्राम बने ऐसा ग्रामवासियों को प्रयास करना चाहिए तथा जिला प्रषासन द्वारा ग्राम के विकास के लिए निरंतर सहयोग प्रदान किया जाएगा। जन चौपाल को प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने भी सम्बोधित कर वर्षा के जल को संचयन करने एवं जल का महत्व बताया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती कमलेशिया बैगा, उपसरपंच अनिल साहू, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेष मिश्रा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, उपसंचालक कृषि आर पी झारिया, नायब तहसीलदार श्री राजकुमार कोल, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक प्रिया सिंह, ममता सोनी, राहुल द्विवेदी उपयंत्री सुभाष भारती,पटवारी श्रीमती पुष्पा पटेल, श्रीमती राजकुमारी सिंह,सचिव हेमराज बैगा, ग्राम रोजगार सहायक शशिकांत द्विवेदी, रामभजन गुप्ता, धनीराम चौरसिया,मुरलीप्रसाद साहू, गिरधारी लाल नापित,बाबूलाल गुप्ता, अनिरुद्ध शर्मा,संजय नापित, विक्रेता अजय गुप्ता,सुब्रत द्विवेदी एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों के साथ एमएसडब्लू,बीएसडब्लू के छात्र एवं काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थें।

ट्रैक्टर-ट्राली में लगी आग, गेहूं की फसल जलकर राख

शहडोल। जिले के देवलौंद थाना क्षेत्र के चौरी गांव में एक किसान की गेहूं की फसल में आग लग गई। किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में अपनी फसल को गहाई के लिए ले जा रहा था, इस दौरान अचानक आग लग गई। इससे किसान को हजारों रुपए का नुकसान हुआ और उसकी मेहनत कुछ पल में ही जलकर राख हो गई।पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार दोपहर एक बजे की है, जब किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में लदी गेहूं की फसल को गहाई के लिए ले जा रहा था। रास्ते में ट्रॉली में लदी फसल बिजली के तार से टकरा गई। इससे तार टूट गया और शॉर्ट सर्किट से उठी चिंदारी से फसल में आग लग गई। आग लगते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर से ट्रॉली को अलग करने की कोशिश की, आसपास लगे बोरवेल से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। दमकल वाहन को भी सूचना दी गई, लेकि जब तक दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे, तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया।

प्रदर्शन

सोनिया, राहुल के विरूद्ध ईडी की कार्यवाही के विरोध में राष्ट्रपति को भेजा गया ज्ञापन

कांग्रेस ने किया आयकर आफिस का घेराव

विजय मत, शहडोल।

जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता के नेतृत्व मे जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल ने सरकार द्वारा, ईडी की दुर्भावनापूर्ण कार्यवाई के विरोध मे न्याय और लोकतंत्र की रक्षा हेतु शहडोल जिला आयकर विभाग का घेराव कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन मे मांग की गई कि,आज जब भारत 75 वर्षों से अधिक पुराने लोकतंत्र की विरासत का दावा करता है, तब देश के भीतर एक खतरनाक प्रवृत्ति लगातार गहराती जा रही है, केंद्र सरकार द्वारा सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग की। विशेष रूप से विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई, लोकतंत्र की आत्मा को निरंतर घायल कर रही है।

हाल ही में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गांधी और

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड प्रकरण में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) द्वारा आरोप पत्र दाखिल किया गया है। यह न केवल अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि स्पष्ट रूप से यह केंद्र सरकार की राजनीतिक प्रतिशोध की संकीर्ण मानसिकता का भी प्रतीक है।

जिस परिवार ने इस देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया, जिनके अपने बलिदान हुए, उस गांधी-नेहरू परिवार को केंद्र की सता में बैठी भाजपा सरकार बार-बार अपमानित करने का असफल प्रयास कर रही है। 2014 से लगातार यह देखा जा रहा है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई, आईटी जैसी एजेंसियों का मनमाना उपयोग किया जा रहा है। इससे यह स्पष्ट है कि यह एक राजनीतिक हथियार के रूप में एजेंसियों को प्रयोग करने की रणनीति है।

ज्ञापन में कहा गया है कि आप भारत के संविधान के संरक्षक हैं, इस गंभीर प्रकरण में स्वतः संज्ञान लें और केंद्र सरकार से जवाब तलब करें कि बिना किसी मूल शिकायत के किस आधार पर वर्षों पुराने प्रकरण को पुनः खोलकर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है?

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, पूर्व पार्षद प्रभात पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, महिला जिलाध्यक्ष संध्या सिंह, सोशलमीडिया जिलाध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव आशीष तिवारी, सोहागपुर ब्लाक अध्यक्ष शिव शंकर शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेसी अशोक बजाज, ओबीसी जिलाध्यक्ष सत्यनारायण साहू, पार्षद हीरालाल प्रजापति,वरुण पाल, राम निहोर राव, दलप्रताप सिंह, प्रेमधारी सिंह, सूरज पयासी, अश्रुत मिर्जा, आशीष पटेल, अशोक तिवारी,रमेश विश्वकर्मा, प्रकाश दुबे, भैय्यालाल गुप्ता, शोभराज नागपाल, आशीष द्विवेदी,शिवांशु साहू,महेंद्र यादव,कृष्ण सिंह,अमित साहू, विद्याषीस बैगा आदि काँग्रेसजन उपस्थित रहे।

वानखेड़े स्टेडियम में रोहित, वाडेकर और पवार के नाम पर होंगे स्टैंड: एमसीए

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने कहा है कि यहां के वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम के स्टैंड बनेंगे। एमसीए की सलाना बैठक में ये फैसला किया गया। पारित प्रस्ताव के अनुसार, दिवेचा पवेलियन के तीसरे तल्ले को अब रोहित शर्मा स्टैंड के नाम से जाना जाएगा, ग्रैंड स्टैंड के तीसरे तल्ले का नाम पूर्व आईसीसी चेयरमैन पवार के नाम पर रखा जाएगा और ग्रैंड स्टैंड चौथे तल्ले का नाम वाडेकर के नाम पर रखा जाएगा। गौरतब है कि वाडेकर ने 1966 से 1974 तक 37 टेस्ट और दो एकदिवसीय खेले थे। उन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड में भारत को सीरीज में ऐतिहासिक जीत दिलाई। अगस्त 2018 में 77 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि स्टैंड का नाम रखना हमारे क्रिकेट के स्तंभों के प्रति सम्मान दिखाना है।

चहल ने कंधे में चोट के बाद भी बदल दिया मैच: पोंटिंग

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में युजवेन्द्र चहल ने कंधे में चोट के बाद भी जोखिम लेकर जबरदस्त गेंदबाजी की। इस मैच में पंजाब की टीम 112 रनों के छोटे से लक्ष्य का बचाव कर रही थी। पोंटिंग ने कहा कि इतने छोटे से लक्ष्य का बचाव आसान नहीं था पर चहल कुछ अलग ही सोचकर आये थे। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए अपना सबसे अच्छा स्पैल फेंका। पोंटिंग ने कहा कि मैच से पहले चहल का फिटनेस टेस्ट होना था। पिछले गेम में उसे कंधे में चोट लग गई थी और मैंने उसे वार्म-अप करने के लिए कहा। मैंने उससे पूछा कि तुम ठीक हो? तो उसने कहा कोच मैं 100 फीसदी सही हूं, मुझे खेलने दो।

ऋषभ को स्ट्राइक रोटेशन में सुधार करना होगः जाफर

मुम्बई, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत से कहा है कि उन्हें हर मामले में बेहतर होना होगा। ऋषभ आईपीएल के शुरुआती मैचों में असफल रहे थे पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में 63 रन बनाकर उन्होंने अच्छी वापसी की है पर जाफर ने कहा कि उन्हें स्ट्राइक रोटेशन में भी सुधार करना होगा। जाफर ने ऋषभ की बड़े शॉट लगाने के रवैये पर भी बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि कप्तान को अपने स्ट्राइक रोटेशन कौशल में सुधार करने की जरूरत है। जाफर ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह ऐसा करने की कोशिश करता है या नहीं (स्ट्राइक रोटेट करना) उसी प्रकार चाहिये जिस प्रकार विराट कोहली करते हैं। वह स्ट्राइक से बहुत अच्छी तरह से दूर हो जाता है, क्योंकि वह हर तरफ खेल सकता है पर ऋषभपंत कभी-कभी अटक जाता है और यही समस्या है। फिर वह बड़ा शॉट लगाने की कोशिश करता है। मुझे लगता है कि उसे स्ट्राइक रोटेट करने में भी होनो होगा है।

उन्होंने यह भी बताया कि वह शायद ही कभी सीधे हिट करते हैं, बल्कि लेग साइड की तरफ शॉट खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पारी के अंत में एकमात्र सीधा छक्का लगाया और विकेटकीपर बल्लेबाज की लेग साइड की ओर शॉट लगाने की प्रवृत्ति को बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह कभी भी सीधे हिट करने के प्रयास नहीं करता, वह हमेशा लेग साइड, स्क्वायर लेग, काउ कॉर्नर की ओर जाता है। उसने सीएसके के खिलाफ अंत में एक सीधा छक्का लगाया। अन्यथा, पारी की शुरुआत में, वह हमेशा लेग साइड की ओर जाने की कोशिश करता था।

फुटबॉल

ब्रिटेन में चैम्पियंस लीग फुटबॉल में एस्टन विला के इजरी कोनसा गोल करते हुए।

आईपीएल मुम्बई और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला आज

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस की टीम गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मुम्बई को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जिससे उसका पलड़ा भारी नजर आता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मुम्बई को जीत के लिए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर बनाने से रोकना होगा। टीम इस मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी पिछले मैच में बुमराह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। बुमराह की गेंदों पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में काफी रन बने। ऐसे में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन उनपर बड़े शॉट लगाने का पूरा प्रयास करेंगे।

मुंबई की परेशानी अपने स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का फार्म में नहीं होना भी है। रोहित अभी तक पांच मैचों में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। वह अब तक केवल 56 रन बना पाए हैं। इससे मुंबई की टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है और वह अभी तक केवल दो मैच जीत जीत कर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस की की बल्लेबाजी अभी तक इस सत्र में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पर ही आधारित रही है पर अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम भी अच्छी स्थिति में नहीं है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस - हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रियान रिकेल्टन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, विल जैक, तिलक वर्मा, , नमन धीर, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सेंटनर, कर्ण शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबाद- पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, एहसान मलिंगा।

बीसीसीआई ने बांग्लादेश दौरे के लिए घोषित किया कार्यक्रम

- तीन-तीन मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी टीम

मुम्बई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड के अनुसार भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे पर 3 एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले मीरपुर और चटगांव में खेले जांएगे। भारतीय टीम पहली बार बांग्लादेश की धरती पर टी20 सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद बांग्लादेश का दौरा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा, 'यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर की सबसे रोमांचक और बहुप्रतीक्षित सीरीज में से एक होगी। भारतीय टीम ने सभी प्रारुपों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष मानक स्थापित किए हैं और दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले से उत्साहित रहेंगे।' इससे पहले भारत और बांग्लादेश के बीच अंतिम बार द्विपक्षीय सीरीज सितंबर और अक्टूबर 2024 में भारत में खेली गयी थी। तब भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज और टी20 दोनो में ही सभी मुकाबले जीते थे।

वहीं इस बार बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से युवा प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। इस सीरीज में उभरते खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को भी अवसर मिल सकता है जो आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे की शुरुआत एकदिवसीय सीरीज से करेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में सीरीज का पहला एकदिवसय मैच 17 अगस्त (रविवार) को मीरपुर में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 20 अगस्त (बुधवार) को मीरपुर में व तीसरा व अंतिम मुकाबला 23 अगस्त (शनिवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। टी20 सीरीज का पहला मैच 26 अगस्त (मंगलवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टी20 मैच 29 अगस्त (शुक्रवार) को मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा।

बिजनेस

म्युचुअल फंड्स में निवेशकों को पोर्टफोलियो ओवरलैप हुआ तो घटेगा रिटर्न

- एक ही कैटेगरी के कई फंड्स में निवेश किया तो हो जाएगा ओवरलैप

नई दिल्ली, एजेंसी

म्युचुअल फंड्स उन निवेशकों के लिए बेहद वायदेमंद हैं जो अपने पैसे को अलग-अलग जगह लगाकर रिस्क कम करना चाहते हैं और एक्सपर्ट फंड मैनेजर पर भरोसा करते हैं, लेकिन इसमें जोखिम भी है पोर्टफोलियो ओवरलैप। कई निवेशकों का मानना है कि अगर उन्होंने कई फंड्स में निवेश किया है, तो उनका पैसा सुरक्षित है क्योंकि वह अलग-अलग जगहों पर फैला है, लेकिन अगर ये फंड्स एक ही तरह के स्टॉक्स में निवेश कर रहे हों, तो इसमें जोखिम और बढ़ा जाता है। इस ओवरलैप से डाइवर्सिफिकेशन का फायदा कम हो सकता है और आपके कुल रिटर्न में भी गिरावट आ सकती है।

आपके पोर्टफोलियो में मौजूद दो या ज्यादा म्युचुअल फंड्स एक जैसे या समान स्टॉक्स या सेक्टर्स में निवेश करते हैं, तो उसे ओवरलैप कहा जाता है। जैसे अगर आपने दो लार्ज-कैप इक्विटी फंड्स में निवेश किया है और दोनों ही फंड्स रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक या इंफोसिस जैसे ब्लूचिप स्टॉक्स में भारी निवेश कर रहे हों। ऐसे में रिस्क को अलग-अलग जगह बांटने की बजाय, आप एक ही कंपनियों में ज्यादा एक्सपोज हो जाते हैं।

फिजिकल गोल्ड रखना सुरक्षित तरीका, अब लोग डिजिटल गोल्ड की तरह कर रहे मूव

सोने ने लगाई छलांग 95 हजार पर पहुंचा, चांदी की चमक भी बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

बुधवार को सोने के भाव ने घरेलू वायदा बाजार में पहली बार 95,000 का आंकड़ा पार किया। यह अब तक का इसका सबसे ऊंचा भाव है। सोना 95,090 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए टॉप पर पहुंच गया और बाद में कुछ गिरावट के बाद 95,000 पर कारोबार हुआ। बुधवार दोपहर तक सोने की कीमत में 1.66 फीसदी की बढ़ोरती देखने को मिली। चांदी ने भी वायदा बाजार में अच्छी बढ़त दर्ज की, इसकी कीमतें 1.56 फीसदी बढ़कर एमसीएक्स पर 96,253 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसने दिन के भीतर 96,344 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर भी छुआ।

कीमतों में यह उछाल कमजोर डॉलर और ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच जारी अनिश्चितता के चलते आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें गिरते डॉलर,

व्यापार को लेकर बने तनाव और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताओं से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। स्पॉट गोल्ड 1.7 फीसदी बढ़कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3,282.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा, जो पहले 3,290.1 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर था। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 1.8 फीसदी बढ़कर 3,299.60 डॉलर पर पहुंच गया।

डॉलर इंडेक्स अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले 0.5 फीसदी गिर गया, जिससे अन्य करेंसी होल्डर्स के लिए सोना ज्यादा आकर्षक हो गया। पारंपरिक रूप से सोने को भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के समय सुरक्षित निवेश माना जाता है और इस साल इसने कई रिकॉर्ड को छुआ, जिससे इसकी कीमत में 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ी। प्रमुख बैंकों को आगामी तिमाहियों में सोने की संभावनाओं पर भरोसा है। गोल्डमैन सैक्स ग्रुप का अनुमान है कि 2026 के मध्य तक कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं।

दिन के निचले स्तर से 500 अंक संभला सेंसेक्स, 77 हजार के ऊपर बंद

मजबूत तिमही नतीजों से इंडसइंड बैंक का शेयर 6.78 प्रतिशत चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

आज यानी बुधवार, 16 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट के बाद तेजी रही। सेंसेक्स 309 अंक चढ़कर 77,044 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसमें 500 अंक की रिकवरी हुई। निफ्टी में भी 109 अंक की तेजी रही, ये 23,437 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर से इसमें 164 अंक की रिकवरी आई।

सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में तेजी रही। इंडसइंड बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा 6.78 प्रतिशत, एक्सिस बैंक में 3.95 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स में 1.81 प्रतिशत की तेजी रही। मारुति, इंफोसिस और टाटा मोटर्स में 1.50 प्रतिशत तक की गिरावट रही।

निफ्टी के 50 में से 33 शेयरों में तेजी रही। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में सरकारी बैंकों के का इंडेक्स 2.37 प्रतिशत, मीडिया का 1.88 प्रतिशत, प्राइवेट बैंक का 1.74 प्रतिशत, ऑयल एंड गैस का 1.33 प्रतिशत और फाइनेंशियल सर्विसेज 0.91 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए।

वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी यानी, चौथी तिमाही में पॉजिटिव नतीजों के बाद इंडियन रिन्युएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड के शेयर में आज 5 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी है। जनवरी-मार्च तिमाही में IREDA को 502 करोड़ रुपए का मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 49 प्रतिशत बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 337.39 करोड़ का मुनाफा हुआ था। Q4FY25 में (जनवरी-मार्च तिमाही) में कंपनी ने 1,905.06 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया। सालाना आधार पर यह 36.93 प्रतिशत बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2023-24 में कंपनी ने 1,391.26 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं के बेचने से मिलने वाली राशि को राजस्व या रेवेन्यू कहा जाता है। इसमें टैक्स शामिल नहीं होता है। कंपनी ने 10 अप्रैल को वित्त के नतीजे जारी किए।

शेयर बाजार में कल यानी मंगलवार, 15 अप्रैल को बड़ी तेजी रही। सेंसेक्स 1578 अंक (2.10 प्रतिशत) चढ़कर 76,735 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 500 अंक (2.19 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 23,329 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी रही। इंडसइंड बैंक में 6.70 प्रतिशत, टाटा मोटर्स में 4.61 प्रतिशत, लार्सन एंड टुब्रो में 4.50 प्रतिशत, एक्सिस बैंक में 4.23 प्रतिशत और अडाणी पोर्ट्स में 4.13 प्रतिशत की तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 49 में तेजी रही। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा तेजी रियल्टी में 5.64 प्रतिशत, ऑटो में 3.39 प्रतिशत, फाइनेंशियल सर्विसेज में 3.28 प्रतिशत, मेटल में 3.20 प्रतिशत और मीडिया में 2.97 प्रतिशत की रही।

सेकेंड हैंड बाजार में नेक्सॉन की कीमत में मिल रही लग्जरी कारें

नई दिल्ली। अगर आप इस बजट में एक प्रीमियम और लग्जरी कार का अनुभव लेना चाहते हैं, तो सेकेंड हैंड बाजार में कुछ ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो आपको नेक्सॉन की कीमत में ही मिल सकते हैं। जैसे कि 2011 मॉडल बीएमडब्ल्यू 525डी, जिसे 13.95 लाख रुपये में बेचा जा रहा है। यह कार केवल 58,000 किलोमीटर चली है और इसमें एफ 90 एम5 जैसा लुक दिया गया है। इसके साथ ही इंटीरियर में भी बदलाव कर नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्क्रीन जोड़ी गई हैं। इसमें सनरूफ, लेदर सीट्स और 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलता है, जो 217 बीएचपी की पावर देता है। दूसरा विकल्प है मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, जो मात्र 13.25 लाख रुपये में मिल रही है। इसमें 3.5-लीटर वी 6 पेट्रोल इंजन है जो 272 बीएचपी की ताकत देता है। एस-क्लास को लग्जरी का प्रतीक माना जाता है और इसमें रियर एंटरटेनमेंट स्क्रीन, इलेक्ट्रिक सीट्स और प्रीमियम इंटीरियर मिलता है। इसके अलावा 2017 की जगुआर एक्सई प्रेस्टिज 16.9 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो कम उम्र और दमदार फीचर्स के कारण एक बेहतरीन विकल्प है। वहीं, 2016 की ऑडी ए6 भी 18.5 लाख रुपये में मिल रही है, जिसमें प्रीमियम इंटीरियर और एडवांस फीचर्स मौजूद हैं।

वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रहेगी, मार्च में मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया है कि जून और अगस्त की आरबीआई की नीति बैठक में ब्याज दरों में 25-25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि इस वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी।

इसके अलावा, उम्मीद की जा रही है कि आसान लिक्विडिटी की स्थिति बनी रहेगी और ब्याज दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। मार्च में सीपीआई मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही, जो बाजार की 3.5 फीसदी की उम्मीद से कम है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार तीसरे महीने भी अपस्फीति में रहीं, जो पिछले महीने की तुलना में 0.7 फीसदी कम है, जिसका कारण सब्जियों, दालों, अंडों और मछली-मांस की कीमतों का कम होना है। अनाज और दूध की कीमतों में क्रमिक गति सामान्य रही, जबकि चीनी और फलों की कीमतें उंची रहीं। रिपोर्ट में कहा गया है, अप्रैल में मुद्रास्फीति का आंकड़ा मार्च के स्तर के करीब है। प्याज और टमाटर की कीमतों में भारी गिरावट के कारण अप्रैल के पहले 10 दिनों में सब्जियों की कीमतों में 0 से 5 फीसदी की कमी आई है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति के औसतन 3.7 फीसदी रहने का अनुमान है, जो आरबीआई के लक्ष्य और पूर्वानुमान 4 फीसदी से काफी कम है। नई गेहूं की फसल बाजार में आने के साथ अप्रैल से खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट आने की संभावना है। इसके अलावा, आईएमडी ने भी 2025 के लिए सामान्य मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में रुपए की मजबूती, चीन से आयातित सामानों के दामों में तुलनात्मक कमी, तेल की नरम कीमतें और कमजोर घरेलू विकास के कारण कोर मुद्रास्फीति भी नरम रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है विकास के 100 संकेतकों के हमारे फ्रेमवर्क से पता चलता है कि मार्च तिमाही पिछली दो तिमाहियों की तुलना में बेहतर है, लेकिन जून 2024 से काफी नीचे है।

न्यूज इन शॉर्ट

निर्माणाधीन मकान के गेट का ताला तोडकर डेढ़ लाख का कॉपर वायर चोरी

रायपुर। कमल विहार में अज्ञात चोर ने निमार्णाधीन मकान के गेट का ताला तोडकर वहां से डेढ़ लाख रुपये का कॉपर वायर चोरी कर ले गया। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ 331-4, 305 के तहत मामला दर्ज कर उसकी खोजबीन में जुट गई है। डॉ. सुभाष साहू ने कल टिकरापारा थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कराते हुए बताया कि वह वॉल फोर्ट इंक्लेव पचपेड़ी नाका में रहता है और कमल विहार सेक्टर झ्र 5 में नया मकान बनवा रहा है जहां निर्माण कार्य चल रहा है। बीती रात निमार्णाधीन मकान में देर रात किसी अज्ञात चोर ने मकान के मेन गेट में लगा ताला तोडकर वहा रखे कॉपर वायर 107 बंडल को चोरी कर ले गया। 15 की सुबह जब डॉ. सुभाष साहू काम देखने कमल विहार गया तो देखा की वहां कमरे का ताला टुटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो वहां सामान बिखरा पड़ा था। कमरे में रखे कापर वायर के 107 बंडल फीनो लैक्स (180 मीटर) कीमती 150000 रुपए नही थे। आसपास पूछताछ करने पर कोई जानकारी नहीं हुई तब जाकर उन्होंने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाया।

टिकरापारा में गुंडागर्दी, महिला समेत 4 लोग घायल

रायपुर। रायपुर में जलजीरा नहीं पिलाने पर एक युवक ने 4 लोगों के साथ मारपीट की है। इसमें दो महिला और दो युवक शामिल है। युवक की गुंडागर्दी इस कदर थी कि उसने झगड़े को शांत कराने गए लोगों से गाली-गलौज भी किया। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक, शाहिना ने पुलिस को भी शिकायत में बताया कि, वह बीएसयूपी कॉलोनी मठपुरैना में रहती है। मंगलवार को उनके भतीजे ईशान अली ने बताया कि, शुभम यादव नाम के युवक ने उसके साथ मारपीट किया है। शुभम ईशान को जलजीरा पिलाने कह रहा था। जब उसने पैसे नहीं होने की बात कही तो वह मारपीट कर दिया। इसके बाद शाहिना ने शुभम यादव को मारपीट की वजह पूछी तो उसे भी गाली गलौज देने लगा। इस दौरान झगड़े को शांत करने के लिए एक अन्य महिला और युवक आए तो आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इस घटना के बाद एक महिला के सिर में चोटें आई है। इसके अलावा युवकों के नाक और सीने में छोटे आई है, फिलहाल पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य नियुक्त

सहायक आयुक्तों को आश्रम-छात्रावासों के नियमित निरीक्षण करने के निर्देश

प्रमुख सचिव बोरा बोले-अबूझमाड़ में अब विकास की नई भोर

विजय मत, रायपुर।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने कहा कि पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और नियद नेल्ला नार योजना से जनजातीय इलाकों में की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित उक्त योजनाओं से बस्तर के अबूझमाड़ में तेजी से बुनियादी सुविधाएं विकसित होने लगी है। अबूझमाड़ में एक ओर जहां चमचमाती सड़कों की जाल बिछाई जा रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं विद्युत जैसी बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से मुहैया भी कराई जा रही है। अब वह दिन दूर नहीं कि जब अबूझमाड़ लोगों के लिए अबूझ रहेगा। अब अबूझमाड़ में विकास का नया सूरज उग रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र

मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के विशेष प्रयासों से जनजातीय इलाकों की स्थिति और वहां के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों की बदौलत छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंचने लगी है। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने आज बस्तर और बिलासपुर संभागों के जिलों के आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारियों की बैठक ली।

उन्होंने अधिकारियों को विभागीय कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और नियद नेल्लानार योजना विशेष उद्देश्य को लेकर संचालित की जा रही है। इसके उद्देश्य को पूरा करना हम सबकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। श्री बोरा ने कहा कि बस्तर अंचल के नक्सल प्रभावित गांवों में नियद नेल्लानार के माध्यम से लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा वहां के लोगों के जीवन स्तर बेहतर बनाने का काम छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इस योजना के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है। प्रमुख सचिवबोरा ने बैठक में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों के लिए स्वीकृत आवासों का निर्माण बरसात से पूर्व हर हाल में पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग सुदूर वनांचल की बसाहटों में किस तरह अपनी जिन्दगी गुजार रहे हैं। बरसात के दिनों में उनके छोपड़ीनुमा घर रहने के लायक नहीं होते हैं। हमें इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके लिए पक्के आवासों का निर्माण कराना होगा।

बागी बनकर निर्दलीय जीते कांग्रेस के आकाश बने नेता प्रतिपक्ष

कांग्रेस ने रायपुर समेत 10 नगर निगमों में नेता और उपनेता प्रतिपक्ष की लिस्ट जारी की

विजय मत, रायपुर।

कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले नेता आकाश तिवारी को कांग्रेस ने रायपुर नगर निगम का नेता प्रतिपक्ष बनाया है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के

अनुमोदन के बाद कांग्रेस ने 10 नगर निगमों के नेता प्रतिपक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष के नामों की लिस्ट जारी की है।इसमें रायपुर से आकाश तिवारी को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है, जबकि जयश्री नायक को उप नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। रायपुर नगर निगम चुनाव के वक्त जब कांग्रेस ने उन्हें टिकट पार्षद की टिकट नहीं दी, तो नाराज आकाश तिवारी ने निर्दलीय मैदान में उतरने का फैसला लिया। कांग्रेस ने तुरंत उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। लेकिन अब, हालात बदले हैं। पार्टी में वापसी के साथ ही उन्हें बड़ा पद दे दिया गया

संदीप साहू को बड़ा झटका:

रायपुर नगर निगम में कांग्रेस के संदीप साहू को पार्टी ने बड़ा झटका दिया है। रायपुर नगर निगम चुनाव में कांग्रेस से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले नेता आकाश तिवारी को कांग्रेस ने रायपुर नगर निगम का नेता प्रतिपक्ष बनाया है।

ये है पूरी लिस्ट:

- चिरमिरी नेता प्रतिपक्षः गायत्री बिरहा
  उप नेता प्रतिपक्षः मोहम्मद इकराम
- अंबिकापुर नेता प्रतिपक्षः सफी अहमद
  उप नेता प्रतिपक्षः निम्मन राशि एक्का
- रायगढ़ नेता प्रतिपक्षः शेख सलीम नियारिया
  उप नेता प्रतिपक्षः विकास ठेठवार
- कोरबा नेता प्रतिपक्षः कृपा राम साहू
  उप नेता प्रतिपक्षः रामगोपाल कुर्रे
- बिलासपुर नेता प्रतिपक्षः भरत कश्यप
  उप नेता प्रतिपक्षः संतोषी रामा बघेल
- धमतरी नेता प्रतिपक्षः दीपक सोनकर
  उप नेता प्रतिपक्षः सत्येन्द्र देवांगन विशु
- रायपुर नेता प्रतिपक्षः आकाश तिवारी
  उप नेता प्रतिपक्षः जयश्री नायक
- दुर्ग नेता प्रतिपक्षः संजय कोहले उप नेता प्रतिपक्षः विजयंत पटेल
- राजनांदगांव नेता प्रतिपक्षः संतोष पिल्लै
  उप नेता प्रतिपक्षः मुकेश साहू
- जगदलपुर नेता प्रतिपक्षः राजेश चौधरी
  उप नेता प्रतिपक्षः कोमल सेना

है इस लिस्ट में बिलासपुर, कोरबा, राजनांदगांव, दुर्ग, अंबिकापुर, बस्तर जैसे नगर निगम शामिल हैं। सभी जगहों पर नए नेता प्रतिपक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किए गए हैं।

स्मार्ट है हमारी पुलिसः रायपुर पुलिस का कोलकाता-गुवाहाटी में छापा

किराएदार बनकर घुसेः महादेव-ऐप पैनल से सट्टा खिलाते 6 राज्यों के 14 सटोरिए गिरफ्तार, 500 अकाउंट से करोड़ों का ट्रांजेक्शन

विजय मत, रायपुर।

रायपुर पुलिस की टीम ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता और असम के गुवाहाटी में छापेमारी की। इस दौरान 6 राज्यों के 14 सटोरियों को गिरफ्तार किया। यह सभी आरोपी महादेव सट्टा ऐप के पैनल से आईपीएलमें सट्टा खिला रहे थे। 500 बैंक खातों से करोड़ों के लेन-देन के सबूत मिले हैं।रायपुर क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के पास से करीब 30 लाख रुपए का मोबाइल, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त किया है। रेड करने के लिए पुलिसकर्मी खुद किराएदार बनकर फ्लैट देखने के बहाने अंदर घुसे थे।इस बारे में रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के मुताबिक, 13 अप्रैल को पुलिस ने देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पंडरी ओवर ब्रिज के नीचे ऑनलाइन सट्टा खिलाते निखिल वाधवानी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की तो कई सुराग मिले। इसके बाद पुलिस की टीम कोलकाता और गुवाहाटी भेजी गई।रायपुर पुलिस कोलकाता में न्यू टाउन राजघर के पास एक अपार्टमेंट से 6 आरोपी और राजारहाट से

2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, गुवाहाटी में 6 आरोपी अरेस्ट किए। इन सटोरियों ने फ्लैट को इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की आड़ में किराए पर लिया था। यह सभी आरोपी महादेव ऐप के अलग-अलग पैनल से सट्टा खिला रहे थे।

500 बैंक खातों से करोड़ों के लेन-देन के सबूत:

आरोपियों ने लगभग 500 बैंक खातों से करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन किया गया। इसे लेकर पुलिस सभी बैंक से डॉक्यूमेंट के माध्यम से जानकारी इकट्ठा कर रही हैं। पैनल ऑपरेटरों से 25 लाख रुपए और 15 लाख रुपए में पैनल लेने की जानकारी पुलिस को मिली है।

आरोपियों के कब्जे से 30 लाख का माल बरामद:

पुलिस ने इन सटोरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सट्टा संचालन में 67 मोबाइल, 8 लैपटॉप, 4 राउटर, 94 एटीएम कार्ड, 15 कई कंपनियों के सिम कार्ड, 32 कई बैंकों के पासबुक, 3 बैंक चेकबुक, 1 सिक्योरिटी कैमरा, 4 पावर एक्सटेंशन बोर्ड और 3 कापी में लिखे सट्टा के पैसों का हिसाब-किताब भी मिला है, जिसकी कीमत करीब 30 लाख रुपए है।

कवर्धा कलेक्टर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, हड़कंप

पूरा परिसर सील, चप्पे चप्पे की जांच

विजय मत,ब्यूरोकवर्धा।

जिले में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कवर्धा कलेक्टर कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली. शुरूआती जांच में बताया जा रहा है कि यह धमकी भरा मेल कश्मीर से आया है. मेल में तमिलनाडु का उल्लेख किया गया है. इस मेल में बुधवार दोपहर ढाई बजे तक की टाइमिंग दी गई थी।मेल आने के बाद कवर्धा प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया. आनन फानन में बम डिस्पोजल स्क्वाड को बुलाया गया. कलेक्टर कार्यालय को सील कर दिया गया. उसके बाद टीम कलेक्टर कार्यालय के अंदर बारीकी से बम और आरडीएक्स जैसी चीजों का पता लगाने में जुट गई।इधर, धमकी मिलने के बाद कवर्धा कलेक्टर परिसर की बारीकी से जांच की जा रही है.

ऑफिस के कोने कोने में बम खोजने वाली मशीन से पता लगाया जा रहा है. कवर्धा पुलिस की साइबर सेल भी इस टीम की जांच में जुट गई है.

सभी तथ्यों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है. इस केस में पुलिस हर तरह से एहतियात के साथ जांच कर रही है.

एक मेल ड्रॉप हुआ...

सुबह नौ बजे के आसपास कलेक्टर के ऑफिशियल मेल में एक मेल ड्रॉप हुआ, कलेक्ट्रेट परिसर में आईडी प्लांट करने की बात कही गई. सूचना मिलने पर बीडीएस टीम मौके पर पहुंची. कलेक्ट्रेट परिसर खाली कराया गया. चप्पे चप्पे की जांच की जा रही है. मेल कहां से जनरेट हुआ है, यह जांच का विषय है.

हमारी सायबर टीम जांच कर रही है. स्टेट सायबर लैब को भी भेज रहे हैं.

-पुष्पेन्द्र बघेल,
एएसपी कवर्धा

पुलिस को फिर बड़ी कामयाबी, 22 नक्सली गिरफ्तार

अलग-अलग इलाकों से पकड़े गए, दो इनामी

विजय मत,ब्यूरो बीजापुर।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। यहां अलग-अलग इलाकों से दो इनामी समेत 22 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, सुरक्षाबलों को एक बार फिर बड़ी कामयाबी मिली है। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से सुरक्षाबल के जवानों ने दो इनामी समेत 22 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सलियों के कब्जे से टिफिन बम, विस्फोटक व अन्य सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, जिले में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत उसूर थाना, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी एरिया डॉमिनेशन पर टेकमेटला की ओर निकली हुई थी। अभियान के दौरान टेकमेटला के जंगल से विस्फोटक के साथ सात नक्सलियों रेखापल्ली मिलिशिया सदस्य देवा माड़वी, चैनु माड़वी, मल्ला माड़वी, रेखापल्ली डीएकेएमएस सदस्य माड़वी लखमा, रेखापल्ली कृषि शाखा सदस्य लाला मिडियम, मारुड़बाका आरपीसी जनताना सदस्य अंदा माड़वी और रेखापल्ली डीएकेएमएस सदस्य गंगा माड़वी को पकड़ा गया।इनके कब्जे से टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, बिजली का तार और पाम्पलेट बरामद किया गया। वहीं जांगला थाना और डीआरजी की संयुक्त पार्टी बेलचर, भूरिपानी व कोटमेटा की ओर एरिया डॉमिनेशन पर निकली थी। अभियान के दौरान बेलचर के जंगल से आरपीसी सीएनएम सदस्य समीला ओयाम पिता रमेश ओयाम, भूमकाल मिलिशिया सदस्य संतु ओयाम पिता सुक्कू ओयाम, भूमकाल मिलिशिया सदस्य सायबो माड़वी पिता हिड़मा माड़वी,

आरपीसी मिलिशिया सदस्य रमेश आरकी पिता पकलु आरकी, आरपीसी मिलिशिया सदस्य शंकर आरकी पिता पकलु आरकी व केएएमएस सदस्य कोहले ओयाम पति सुखराम ओयाम को गिरफ्तार किया गया।इसी तरह वहीं नेलसनार थाना व सीआरपीएफ हेमलापारा कैम्प की साझा टीम कांदाकरका की तरफ एरिया डॉमिनेशन पर निकली थी। अभियान के दौरान कांदाकरका के जंगल से मूलवासी बचाव मंच अध्यक्ष सोमा ओयाम पिता कोपा ओयाम, मूलवासी बचाओ मंच सदस्य मुन्ना ओयाम पिता इरपा ओयाम और आरपीसी जनताना सरकार सदस्य पिलू ओयाम पिता पुसू ओयाम को पकड़ा है।

पकड़े गए नक्सलियों के पास से टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, डेटोनेटर, बिजली का तार, बैटरी खुदाई का औजार, टंगिया और नक्सल साहित्य आदि बरामद किया गया है।

रायगढ़ से बिलासपुर जाने वाली मेमू 24 अप्रैल तक रद्द

पैसेंजर और साप्ताहिक समेत 36 से ज्यादा एक्सप्रेस ट्रेनें कैंसिल

विजय मत,ब्यूरो रायगढ़।

रायगढ़ से होकर गुजरने वाली करीब 36 से अधिक ट्रेनें 11 अप्रैल से 24 अप्रैल तक रद्द कर दी गई है। इसमें रायगढ़ से बिलासपुर, बिलासपुर से रायगढ़ मेमू के अलावा पैसेंजर, साप्ताहिक और एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं।जानकारी के मुताबिक, रेलवे ने बिलासपुर-झारसुगुड़ा में चौथी लाइन के काम के चलते ट्रेनों को कैंसिल किया है। रायगढ़ से बिलासपुर और ओडिशा की ओर जाने के लिए हर दिन हजारों यात्री ट्रेनों से सफर करते हैं, लेकिन एक साथ इतनी बड़ी संख्या में ट्रेनों के कैंसिल होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।सबसे अधिक परेशानी उन यात्रियों को होगी, जो हर दिन खरसिया, सक्ती, चांपा और बिलासपुर के रूट में आने-जाने के लिए रायगढ़-बिलासपुर और बिलासपुर-रायगढ़ मेमू में सफर करते हैं। बताया जा रहा है कि टिटलागढ़ पैसेंजर मात्र ही चल रही है।

अधिक भाड़ा में कर रहे सफर:

बताया जा रहा है कि, जब यात्री ट्रेनें कैंसिल होती है, तो कहीं आने-जाने के लिए अतिरिक्त भाड़ा का भार यात्रियों पर पड़ता है। निजी वाहनों की बुकिंग में बे-हिसाब पैसे वसूले जाते हैं, तो बसों का किराया भी अधिक होती है।

खास-खबर जमीन पर गिरते ही मुंह से निकला झाग, कांकेर में मेडिकल-संचालक ने टाइफाइड बताकर किया इलाज

इंजेक्शन लगते ही बेहोशी और 10 मिनट में महिला की मौत

विजय मत,ब्यूरो कांकेर।

'झोलाछाप' डॉक्टर पर विश्वास ने कांकेर जिले में एक महिला की जान ले ली। 'झोलाछाप' के इंजेक्शन लगाते ही महिला बेहोश होकर गिर गई। मुंह से झाग निकला और महज 10 मिनट के भीतर मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि, मेडिकल स्टोर संचालक ने टाइफाइड बताकर इंजेक्शन लगाया था। मामला पखांजूर थाना क्षेत्र के कापसी का है। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वाली महिला का नाम मालती डाकुआ (34) है। मालती पिछले 3 दिनों से बुखार से पीड़ित थी। उसे ब्लड टेस्ट और कुछ दवाई के लिए लाया गया था, लेकिन मेडिकल संचालक की लापरवाही से महिला की जान चली गई। प्रदेश में झोलाछाप के इलाज से 8 महीने में तीसरी मौत है।दरअसल, मालती डाकुआ सोमवार को अपने दामाद वरुण सिकदार के साथ कापसी के बस्तर मेडिकल स्टोर पहुंची। यहां मेडिकल स्टोर संचालक जगदीश विश्वास ने सबसे पहले ब्लड टेस्ट किया। इस दौरान टाइफाइड बताया और इंजेक्शन लगाने के लिए कहा। इसके बाद जगदीश विश्वास ने महिला को इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगने के महज 8-10 मिनट बाद ही महिला की तबीयत बिगड़ने लगी। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। उसके मुंह से झाग बाहर आया, तो तत्काल अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर्स ने चेक करते ही मृत घोषित कर दिया।

अवैध तरीके से चला रहा था लैब:

परिजनों ने बताया कि बस्तर मेडिकल स्टोर का संचालक जगदीश विश्वास बिना डॉक्टरी डिग्री के ही मरीजों का इलाज कर रहा है। पिछले 10 साल से ये सिलसिला चल रहा है। मेडिकल स्टोर की आड़ में अवैध रूप से लैब भी चलाता है।

संचालक दुकान बंदकर हुआ फरार:

परिजनों ने बताया कि जगदीश विश्वास गलत तरीके से मेडिकल का संचालन कर रहा है। मेडिकल का लाइसेंस जिसे नाम नाम से है, वह कभी मेडिकल स्टोर नहीं आता। जगदीश विश्वास ही मेडिकल को चलाता है, जबकि उसके पास लाइसेंस नहीं है। महिला की मौत की जानकारी मिलते ही शॉप बंदकर फरार हो गया है।

50 हजार की आबादी में एक भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं:

कापसी क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा बेहाल है। आसपास 30 से अधिक गांव हैं और यहां की आबादी 50 हजार से अधिक है, लेकिन इस इलाके के अस्पतालों में एक भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं है। कापसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एमबीबीएस डॉक्टर नहीं हैं। ऐसे में ग्रामीण 'झोलाछाप' के भरोसे हैं।

खाली है एमबीबीएस डॉक्टर का पद:

ग्रामीणों ने बताया कि कापसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहले एमबीबीएस डॉक्टर मुकेश नाग पोस्टेड थे, लेकिन उन्हें कोयलीबेड़ा भेज दिया गया। इसके बाद से कापसी में एमबीबीएस डॉक्टर का पद खाली पड़ा है। यहां हर गांव में झोलाछाप से इलाज कराते हैं।

अवैध मेडिकल और दोषी पर कार्रवाई की मांग:

ग्राम पंचायत प्रेमनगर सरपंच रमेन मंडल ने कहा कि झोलाछाप के खिलाफ कार्रवाई कर अवैध मेडिकल स्टोर को बंद कराया जाए। जब तक कापसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर पदस्थ नहीं होंगे, तब तक झोलाछाप इलाके के ग्रामीणों की जान के साथ खिलवाड़ करते रहेंगे।

फोरेंसिक रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई: बीएमओ

फोरेंसिक लैब पखांजूर बीएमओ डॉ. दिलीप सिन्हा ने बताया शव परीक्षण के बाद महिला का बिसरा सुरक्षित रख परीक्षण के लिए फोरेंसिक लैब भेजा जा रहा है। झोलाछाप डॉक्टरों पर प्रशासनिक अधिकारी ही कार्रवाई कर सकते हैं।

पुलिस आरोपी की कर रही तलाश:

इस बारे में पखांजूर थाना प्रभारी लक्ष्मण केंवट ने बताया कि इस घटना के बाद संचालक फरार है। उसने दूसरे दिन भी अपनी दुकान नहीं खोली। घटना के बाद से संचालक का मोबाइल भी बंद है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तम्भ चौक, रायपुर (छग) से मुद्रित एवं डी-17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर, गुढियारी, रायपुर (छग) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला*।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो.-8889977997